वर्ष : 33 » अंक : 198 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, शुक्रवार, 4 अक्टूबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

दो बजे
दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

राहुल गांधी का 'महा'दौरा

राहुल कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

राजा आदाटे | मुंबई

हरियाणा में चुनाव प्रचार थम गया है। गुरुवार को हरियाणा में अपने प्रचार अभियान को पुरजोर तरीके से चलाने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को महाराष्ट्र का रुख करेंगे। शुक्रवार को वह कोल्हापुर को दौरा करेंगे, जहां शाम को वह कस्बा बवाडा के भगवा चौक पर छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। हरियाणा और जम्मू कश्मीर से निपटने के बाद कांग्रेस ने अब महाराष्ट्र की ओर अपना फोकस किया है, जहां आने वाले दिनों में चुनाव होना है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महायुति सरकार के खिलाफ महाविकास अघाड़ी पुरजोर तरीके से जमीन पर सक्रिय है, जिसका एक अहम घटक कांग्रेस भी है। महाराष्ट्र की अस्मिता और राजनीति में यूं तो छत्रपति शिवाजी हमेशा से एक बेहद अहम प्रतीक रहे हैं, लेकिन हाल ही में उनकी प्रतिमा प्रदेश की सियासत का अहम केंद्र बन उठी।

छत्रपति शिवाजी पर सियासत तेज

पिछले दिनों महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग स्थित राजकोट में लगी छत्रपति शिवाजी जी 35 फुट ऊंची प्रतिमा गिरकर टूटने से महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आ गया था। विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस ने इस घटना को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर जमकर हमला बोला था, जिसके बाद महाराष्ट्र सरकार से लेकर पीएम मोदी तक ने न सिर्फ खेद जताया था, बल्कि पीएम मोदी ने इस घटना पर गहरी पीड़ा जाहिर करते हुए सिर झुका कर महाराष्ट्र और देश की जनता से माफी मांगी थी। उधर राहुल गांधी की ओर से शिवाजी की मूर्ति का अनावरण किया जाएगा। कांग्रेस इसे जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने की कोशिश के रूप में देख रही है। कांग्रेस का मानना है कि इससे लोगों में एक मजबूत संदेश जाएगा।

चुनाव की घोषणा से पहले ही मुश्किल में कांग्रेस, टिकट के लिए 1800 उम्मीदवारों ने ठोका दावा

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अभी होना बाकी है, लेकिन उससे पहले ही कांग्रेस पार्टी के लिए राज्य में मुसीबत खड़ी हो गई है। दरअसल, महाराष्ट्र में कांग्रेस से टिकट पाने की इच्छा 1800 से अधिक लोगों ने जाहिर की है, जबकि पार्टी लगभग 100-110 सीटों पर ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। टिकट के लिए पूरे राज्य भर से एप्लीकेशन आए हैं, जबकि चुनाव की घोषणा अब तक नहीं हुई है। इस बार विदर्भ और मराठवाड़ा इलाके से सबसे ज्यादा लोगों ने एप्लीकेशन फाइल किया है।

मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा : CM शिंदे, डिप्टी CM फडणवीस ने PM मोदी का जताया आभार

अमित बृज/मुंबई। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने को मंजूरी दे दी है। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। वहीं, राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इस फैसले को लेकर पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए महाराष्ट्र के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि मेरे मराठी बोलने की सराहना करें। सभी मराठी वासियों को बधाई। आख़िरकार मेरी मराठी को क्लासिक भाषा का दर्जा मिल गया। एक लड़ाई सफल रही। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार ने लगातार केंद्र का समर्थन किया था। हमारी प्रिय भाषा का सम्मान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, साथ ही केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के आभारी हैं। इस कार्य में कई मराठी भाषियों, विचारकों, भाषा विद्वानों, लेखकों और आलोचकों ने मदद की। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद! मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक निर्णय है और यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए सरकार के हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने, हमारी विरासत पर गर्व करने और सभी भारतीय भाषाओं तथा हमारी समृद्ध विरासत पर गर्व करने के दर्शन के अनुरूप है।' सरकार ने कहा कि शास्त्रीय भाषाएं भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की संरक्षक के रूप में काम करती हैं, तथा प्रत्येक समुदाय के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सार को प्रस्तुत करती हैं।

न्यूज ब्रीफ

बदलापुर दुष्कर्म मामला : गिरफ्तारी, जमानत और फिर गिरफ्तारी

मुंबई/बदलापुर। बदलापुर दुष्कर्म मामले में दोनों आरोपितों स्कूल के अध्यक्ष उदय कोतवाल और सचिव तुषार आप्टे को गुरुवार को कल्याण कोर्ट में जमानत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों को फिर से दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया है। इन दोनों को पुलिस शुक्रवार को फिर से कल्याण कोर्ट में पेश करेगी। बहुचर्चित बदलापुर दुष्कर्म मामले के दो आरोपितों को पुलिस ने बीती रात रायगढ़ जिले के कर्जत इलाके से गिरफ्तार किया था। गुरुवार को इन दोनों को पुलिस ने कल्याण कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दोनों आरोपितों को 17 अक्टूबर तक न्यायिक कस्टडी में भेज दिया। इसके बाद तत्काल इन दोनों के वकील ने इन दोनों की जमानत का आवेदन कोर्ट में पेश किया। लेकिन कोर्ट ने इन दोनों की जमानत तत्काल मंजूर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने इन दोनों को दूसरे मामले में कोर्ट से ही गिरफ्तार कर लिया। दोनों को पुलिस शुक्रवार को फिर से कोर्ट में पेश करने वाली है।

रेलवे कर्मियों के लिए 2029 करोड़ का बोनस, कृषि योजनाओं के लिए 1.01 लाख करोड़ आवंटित

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में गुरुवार को रेलवे कर्मचारियों के लिए 2029 करोड़ रुपए के प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस को मंजूरी मिल गई। इस योजना का लाभ 11,72,240 कर्मचारियों को मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में कई अन्य अहम फैसले भी हुए हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया- रेलवे के 58,642 खाली पड़े पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। साथ ही सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा के लिए 1,01,321 करोड़ रुपए जारी किए हैं। पैसा दो प्रमुख योजनाओं के तहत दिया जाएगा। ये योजनाएं हैं- प्रधानमंत्री-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (PM-RKVY) और कृषोन्नति योजना।

फिर पाला बदलने की तैयारी में पूर्व मंत्री

बीजेपी छोड़कर शरद पवार की एनसीपी में शामिल होने की अटकलें

नितिन तोरस्कर | मुंबई

महाराष्ट्र में इसी साल विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव से पहले बीजेपी के कद्दावर नेता हर्षवर्धन पाटिल के बीजेपी छोड़ने की अटकलें हैं। हर्षवर्धन शरद पवार की एनसीपी में शामिल हो सकते हैं।

शरद पवार से की मुलाकात

हर्षवर्धन ने एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की है। ये मुलाकात शरद पवार के दक्षिण मुंबई में स्थित आवास सिल्वर ओक्स पर हुई है। पाटिल ने खुद इसकी पुष्टि की है। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद यह चर्चा जोरों पर है कि राज्य विधानसभा चुनाव से पहले वह पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

शरद पवार से मुलाकात के बाद क्या बोले पाटिल?

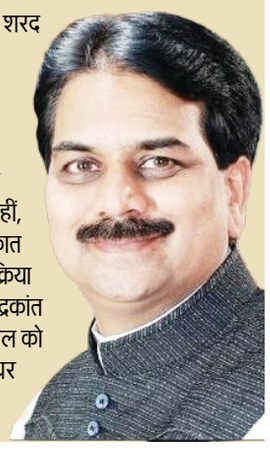

बीजेपी नेता ने कहा कि शरद पवार ने मुझसे अपनी पार्टी में शामिल होने और विधानसभा चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि वह मुझे चुनाव जिताएंगे। वहीं, दोनों नेताओं की मुलाकात पर बीजेपी की भी प्रतिक्रिया आई है। बीजेपी नेता चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि पाटिल को पार्टी छोड़ने के फैसले पर पछतावा होगा।

पार्टी छोड़ने वालों का होगा पछतावा

उन्होंने कहा कि जो लोग यह महसूस कर रहे हैं कि उन्हें विधानसभा चुनावों में बीजेपी की ओर से फिर से मैदान में नहीं उतारा जाएगा, वे पार्टी छोड़ रहे हैं। जब हम चुनाव जीतेंगे और वह पार्टी में फिर से शामिल होने के लिए हमारे पास आएंगे, तो हमारे शीर्ष नेता तय करेंगे कि उन्हें वापस लेना है या नहीं।

कौन हैं हर्षवर्धन पाटिल?

बता दें कि इंदापुर सीट से चार बार विधायक चुने जा चुके पाटिल फिर से इंदापुर से चुनाव लड़ने की इच्छा जता रहे हैं। फिलहाल इस सीट पर गठबंधन में शामिल एनसीपी की दावेदारी है। पाटिल 1995-99 के दौरान शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में कृषि और विपणन राज्य मंत्री रहे। उन्होंने 1995 का विधानसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता। वे 1999 से 2014 तक कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार के दौरान मंत्री रहे। वे 2009 में कांग्रेस में शामिल हुए और सहकारिता और संसदीय मामलों के मंत्री रहे।

दायित्वनामा

क्या सरकार, प्रशासन चौथे पिलर को उखाड़ना चाहती है?

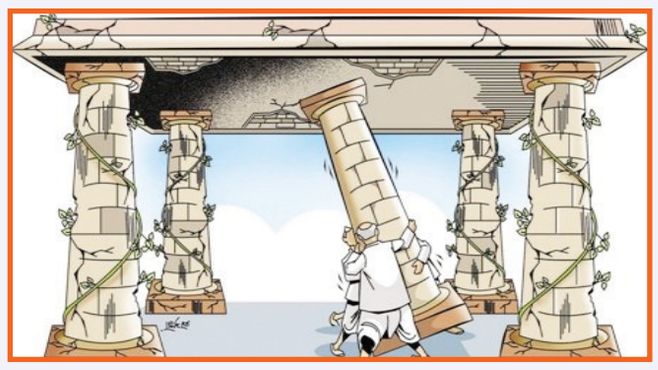

महाराष्ट्र में चुनावी मौसम अपने चरम पर है, हर दल किसी भी जुगत से लोगों को लुभाने में जुटा हुआ है। कहीं लालच दिया जा रहा है तो कहीं सुरक्षा का वादा, वगैरह-वगैरह...!

ऐसे महाराष्ट्र चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के पवन खेड़ा का पत्रकारिता के लिए कई घोषणा करना एक अच्छी शुरुआत मानी जा सकती है। कोई कह सकता है कि यह पत्रकारिता को लुभाने के लिए चला गया दांव है, हम समझते हैं दांव ही सही पर किसी ने पत्रकारों व पत्रकारिता के भविष्य की चिंता तो की। माना कि वे पत्रकारिता को अपनी तरफ करना चाहते होंगे, पर इसके लिए उन्होंने यह विचार तो किया कि आखिर पत्रकारिता की समस्याएं क्या हैं..?

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

आज़ादी के बाद से भारत के लोकतंत्र को बचाये रखने में, उसे आगे बढ़ाने में चारो पिलर ने जोरदार योगदान दिया। इसमें से 3 पिलर जनता के टैक्स के धन से संचालित होते रहे हैं और चौथे पिलर को सरकारी सहायता व उद्योगपति की दया पर छोड़ दिया गया। शुरुआत में जब तक लोगों की आंखों में पानी था, तब तक पत्रकारिता को मदद देते रहे। आगे आने वाली पीढ़ियों के नेताओं व नौकरशाही ने पत्रकारिता को अपने कब्जे में करने के लिए तरह-तरह के षड़यंत्र रचे... उन्हें लगता रहा कि इससे पत्रकारिता उनके कब्जे में आ जाएगी और वे उससे मनमर्जी काम करवा सकेंगे।

सरकारों ने यह सुनिश्चित किया है कि वे सिर्फ उन्हीं बड़े अखबारों को विज्ञापन देंगे, जिनका सर्कुलेशन बहुत ज्यादा बड़ा हो, उनका अवसरवाद छोटे अख़बारों की पत्रकारिता को महत्व नहीं देना चाहता। इसका असर यह हो रहा है कि पत्रकारिता का तेजी से पतन हो रहा है।

चौथे खंभे को घुटने पर बिठाने के इस महान षड्यंत्र में सभी दलों और नौकरशाहों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्हें लगा कि इस पिलर को दबोच कर वे आराम से काम करेंगे... पर हकीकत यह है कि वे सभी सीमित सोच के छोटे लोग थे, जिन्होंने अपनी मामूली सुविधाओं के लिए भारतीय लोकतंत्र के साथ बेहुदा खिलवाड़ किया।

जब तीनों पिलरों ने मिलकर पत्रकारिता पर शिकंजा कसना शुरू किया तो आम इंसान का अख़बार चलाना असंभव हो गया। अभी भी उनकी आंखों का पानी पूरी तरह से मरा नहीं था, सो उन्होंने कुछ सुविधाएं पत्रकारिता को दे रखीं थीं। तो लंगड़ाते हुए ही सही पत्रकारिता चलती रही। किंतु बीते कुछ समय से चौथे खंभे को दबोच कर कांख में दबा लेने का निर्णय किया गया दिखता है। दंभ से भरे अधिकारी विज्ञापन कम करने, बंद करने की धमकी बेबाक देने लगे हैं। पत्रकारिता की मदद तो दूर की बात है, उसे परेशान करने के लिए नित नए नियम लाए जा रहे हैं। किसी को इस बात की कहीं फिक्र नहीं कि लोकतंत्र बिना चौथे पिलर के कैसे सुचारू रूप से चलेगा। कोई आनेवाली पीढ़ियों के लिए नहीं सोच रहा, सभी अपना जीवन बिताकर निकल लेना चाहते हैं।

पत्रकारिता में रोजगार के खराब अवसरों के चलते बड़े पैमाने पर काबिल लोग पीआर व दूसरे व्यवसाय में चले जाते हैं। इसके अलावा जो बच जाते हैं, वे परिवार चलाने जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं। कई बड़े संस्थानों के बड़े अधिकारी दंभ से भरकर कहते हैं, हम विज्ञापन में खर्च नहीं करेंगे, कुछ बहुत बड़े अखबारों को ही विज्ञापन देंगे, उन्हें यह पता नहीं है कि वे लोकतंत्र के चौथे पिलर को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

यहां हम यह कहने नहीं आए हैं कि किसी ने पत्रकारिता को राहत देने के लिए जो किया है वह महानतम है... हम अपना दायित्व निभा रहे हैं कि लोकतंत्र के चौथे पिलर को समाप्त कर लोकतंत्र को बचाना बहुत मुश्किल होगा।

एक्शन में सीएम शिंदे

- मंत्रिमंडल की बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से बड़ी परियोजनाओं की जानकारी मांगी
- शुक्रवार की कैबिनेट में हो सकते हैं कई बड़े फैसले
- आचार संहिता लगने से पहले बड़ी परियोजनाओं पर फोकस

दीपक पवार | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की आहट सुनाई देने लगी है। कुछ दिन पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने मुंबई का दौरा कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की थी। अब राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य में चल रही सभी बड़ी परियोजनाओं की जानकारी प्रत्येक विभाग से मांगी है। सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में शिंदे सरकार कई बड़े फैसले ले सकती है। मुख्यमंत्री शिंदे ने सभी विभागों से बड़े कार्यों का पिछले ढाई साल का ब्यौरा भी मांगा है।

एक सप्ताह में दूसरी बार मंत्रिमंडल की बैठक क्यों?

ऐसा बहुत कम होता है कि मंत्रिमंडल की बैठक एक ही सप्ताह में दो बार हो। दरअसल ऐसा इस बार इसलिए हो रहा है क्योंकि राज्य में अगले चंद दिनों में विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने वाली है। ऐसे में इस बैठक में कुछ लोकलुभावन फैसले सरकार ले सकती है। इससे पहले 22 सितंबर को राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने एक कार्यक्रम में कहा था कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अगले 15 दिनों में आचार संहिता लग जाएगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी कह चुके हैं कि नवरात्रि के बाद राज्य में कभी भी आचार संहिता लग सकती है।

बरसाती बीमारियों का कहर

अब तक 41 की मौत, नवंबर तक पीक पर होंगे मामले

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र में इस मॉनसून के दौरान जमकर बारिश हुई है। इसके कारण एक तरफ बारिश में होने वाली जानलेवा दुर्घटनाएं हैं तो दूसरी ओर बरसाती बीमारियों का कहर। मुंबई में बरसाती बीमारियों से 41 मरीजों की मौत हो चुकी है। बीएमसी ने परेशान करने वाला ये आंकड़ा जारी किया है। बीमारियों के कारण हर कोई इसकी चपेट में है और कई मरीज वेंटिलेटर पर हैं। मुंबई में बरसाती बीमारियों के कारण अस्पताल फिर भरने लगे हैं। बरसाती बीमारियों के प्रकोप के कारण कई बुजुर्ग और बच्चे ग्रसित हैं। इस वर्ष मुंबई में अब तक 41 लोगों की मौत लेप्टोस्पायरोसिस, डेंगू, मलेरिया, स्वाइन फ्लू और हेपेटाइटिस से हुई है।

लेप्टोस्पायरोसिस से 18 लोगों की मौत

लेप्टोस्पायरोसिस ने सबसे ज्यादा कहर बरपाया है, इससे 18 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं डेंगू से 12, स्वाइन फ्लू से 5, मलेरिया से 5 और दूषित पानी पीने से होनेवाली बीमारी हेपेटाइटिस से एक व्यक्ति की मौत हुई है। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, अगस्त की तुलना में सितंबर में मरीजों में इजाफा देखने को मिला है। अगस्त महीने में मलेरिया से 1171, डेंगू से 1013 लोग संक्रमित हुए थे। वहीं सितंबर महीने में मलेरिया से 1261 और डेंगू से 1456 लोग संक्रमित मिले हैं।

जून-जुलाई में बढ़े मरीज, अक्टूबर-नवंबर में पीक

सौमैया आईसीयू की क्रिटिकल केयर फिजिशियन डॉ। गुंजन चंचलानी ने कहा कि जून-जुलाई से मरीज काफी बढ़े हैं। डेंगू के मरीज बहुत जल्दी गंभीर हो रहे हैं। आईसीयू में मल्टी ऑर्गन फेलियर के साथ मरीज आ रहे हैं। बारिश जाते जाते कुछ मरीज आते हैं। पीक अब अक्टूबर-नवम्बर में देखेंगे। मुंबई के केजे सोमैया अस्पताल में मुंबई भर के अस्पतालों से गंभीर मरीज लाए जाते हैं। पीडिएट्रिक आईसीयू में 13 बेड हैं और सब भरे हैं। सारे मरीज बरसाती बीमारियों से ग्रसित हैं।

डेंगू के आ रहे 20-25 फीसदी मरीज : डॉ. अली

पीडिएट्रिशन डॉ। इरफान अली ने कहा कि मैं एक दिन में करीब 80 मरीज वॉर्ड लेवल पर देख रहा हूं। करीब 20 से 25 फीसदी मरीज डेंगू के हैं। नौ मरीज वेंटिलेटर पर हैं और बच्चे बहुत बुरी कंडीशन में आ रहे हैं। डॉ इरफान बताते हैं कि किस तरह से 21 दिन से बरसाती निमोनिया से ग्रस्त नवजात बच्चा वेंटिलेटर पर है और उसके लंग्स काम नहीं कर रहे हैं। वहीं यहां नौ महीने के एक डेंगू मरीज में बीमारी ने ब्रेन और हार्ट तक को भी डैमेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कंडीशन में बच्चों को बचाना बहुत मुश्किल होता है। डेंगू-मलेरिया के मरीज अक्टूबर-नवम्बर महीने में तेजी से बढ़ते हैं। मुंबई में बरसाती बीमारियों के कारण अभी 41 मौतें रिपोर्ट हो चुकी हैं तो जाहिर है कि आने वाले करीब पचास से ज्यादा दिन और मुश्किल हो सकते हैं।

सुसाइड पॉइंट बनता जा रहा है अटल सेतु

अब कारोबारी ने लगाई छलांग, दो दिन में आत्महत्या का दूसरा मामला

मुनीब चौरसिया | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में आत्महत्याओं के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। आए दिन किसी ना किसी इलाके में लोगों के सुसाइड करने की खबरें सामने आती रहती हैं। मुंबई का बांद्रा-वर्ली सी लिंक सुसाइड के मामले में सुर्खियों में था। अब नवी मुंबई को मुंबई से जोड़ना वाला अटल सेतु शहर का अगला सुसाइड पॉइंट बनता जा रहा है। पुल से समुद्र में छलांग लगाने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस बीच 52 साल के एक कारोबारी ने समुद्र में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मृतक की पहचान फिलिप हितेश शाह के रूप में की है, जो कि एक बिजनेस मैन थे। यह घटना 2 अक्टूबर की बताई जा रही है। नवी मुंबई पुलिस ने तलाशी अभियान जारी कर मृतक का शव समुद्र से बरामद कर लिया है। बताया जा रहा है कि फिलिप मुंबई के माटुंगा इलाके का रहने वाला था। वो पिछले कई दिनों से तनाव में था। शायद इसी वजह से ऐसा खौफनाक कदम उठाया होगा।

मृतक का आधार कार्ड और वाहन जब्त

पुलिस के आला अधिकारियों ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि एक शख्स नवी मुंबई से करीब 14.4 किलोमीटर दूर उत्तर की ओर जाने वाले मार्ग पर अपना वाहन खड़ा कर दिया। इसके बाद उसने समुद्र में छलांग लगा दी। पुलिस ने बताया कि शव को निकालने के लिए तुरंत बचाव दल भेजा गया। जिसे बरामद कर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने इलाज से पहले शाह को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि हमने उनके वाहन की जांच की और उनका आधार कार्ड मिला। जिसके जरिए मृतक शख्स की पहचान की गई। इसके बाद उनके घरवालों से संपर्क किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शाह की पत्नी ने पुलिस को बताया कि वह मानसिक रूप से काफी परेशान थे। उनका इलाज चल रहा था। वरिष्ठ निरीक्षक ने कहा कि सुबह अपने घर से यह कहकर निकले थे कि वह एक समारोह में भाग हिस्सा लेने जा रहे हैं। थोड़ी देर बाद वापस आ जाएंगे। पुलिस ने मामले की आगे की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

बैंकर ने की थी आत्महत्या

दो दिन पहले एक बैंकर की आत्महत्या करने की खबर सामने आई थी। मुंबई के बैंकर सुशांत चक्रवर्ती ने अटल सेतु से समुद्र में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। 1 अक्टूबर की शाम उनकी लाश जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) से बरामद की गई थी। पत्नी ने आरोप लगाया था है कि कंपनी के काम के दबाव की वजह से सुशांत ने यह कदम उठाया है। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है।

अटल सेतु में लोग क्यों कर रहे हैं आत्महत्या?

अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु (मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक) पर आत्महत्या करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे प्रशासन की नींद उड गई है। कहा जा रहा है कि 21 किमी का यह लंबा पुल समुद्र से काफी उंचाई पर बनाया गया है। लोग अपने वाहन से जाते हैं, इसके बाद बीच में वाहन खड़ा कर डिवाइडर से छलांग लगा देते हैं। डिवाइडर की ऊंचाई बेहद कम है।

पूर्व पार्षद के पति का अपहरण

20 लाख मांगे थे, 3 गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

ठाणे पुलिस आयुक्त क्षेत्र में डोंबिवली ईस्ट में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन सीमा में एक पूर्व नगर सेविका के पति को ज्योतिषी बनकर भविष्य बताने का बहाना गढ़कर नियोजित तरीके से एक किराए के कमरे में ले जाकर देशी पिस्तौल के बल पर कुर्सी से हाथ पैर बांधकर

अपहरण कर 20 लाख की मांग करने वाले तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बिहार से खरीदा गया देशी पिस्तौल

गिरफ्तार आरोपियों में 50 वर्षीय गिरीश रमेश खैर, दूसरा प्लंबर विनय कुमार कृष्ण यादव उर्फ राघव (22) तथा तीसरा भविष्य बताने वाला 35 वर्षीय लिफ्टमैन विनायक किशन कराडे था। इसमें पहले आरोपी गिरीश ने अपहरण करने के लिए एक किराए पर कमरा लिया था, जबकि दूसरा आरोपी प्लंबर विनय कुमार इसके लिए बिहार से 15 हजार रुपए में देशी पिस्तौल लेकर आया था तथा तीसरा आरोपी विनायक किशन कराडे भविष्य बताने के लिए कमरे तक पूर्व नगर सेविका के पति को लेकर गया था। फिलहाल तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

24 सितंबर को पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज

ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय ने बताया गया है कि मानपाड़ा पुलिस स्टेशन सीमा में काका ढाबा के पीछे स्थित सख़ूबाई पाटील नगर कल्याण पूर्व में एक किराए का कमरा लेकर भविष्य बताने के नाम आरोपी पूर्व नगर सेविका के पति को अपने कमरे तक ले गए तथा फिर देशी पिस्तौल का भय दिखाकर कुर्सी से उनके हाथ पैर बांधकर ,परिवार के सदस्यों से 20लाख रुपए की मांग कर रहे थे। पूर्व नगर सेविका ने इस मामले में 24 सितंबर 2024 को पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

टीम गठित

इसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कादवने, पुलिस निरीक्षक राम चोपड़े और पुलिस निरीक्षक दत्तात्राय गुड़ के मार्गदर्शन में एक टीम गठित की गई। आरोपियों के हुलिया और शक्ल सूरत तथा गोपनीय जानकारी के आधार पर पुलिस ने कोलसे वाड़ी तीस गांव नाका चक्की नाका परिसर से तीन लोगों को गिरफ्तार कर बंधक बनाकर रखे हुए पूर्व नगर सेविका के पति को रिहा कराया। पुलिस को इनके पास से ढाई लाख रुपए के तीन महंगे मोबाइल,एक देशी पिस्तौल तथा जीवित कारतूस भी मिले हैं।इन्होंने बंधक बनाकर रखे हुए पूर्व नगर सेविका के पति से 27 हजार रुपए भी छीन लिए थे।

स्थानीय नेता को कारतूस के साथ मिली धमकी भरी चिट्ठी

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां सत्तारूढ़ राजनीतिक दल के एक स्थानीय नेता को एक पार्सल मिला। जैसे ही पार्सल खोला तो देखते ही होश उड़ गए। पार्सल में कारतूस के साथ धमकी भरा पत्र था। यह पार्सल नेता के वागले एस्टेट स्थित जनसंपर्क कार्यालय में पहुंचा था। पार्सल के अंदर मिले बुलेट और धमकी भरे नोट की घटना के बाद आसपास सनसनी फैल गई। मामले

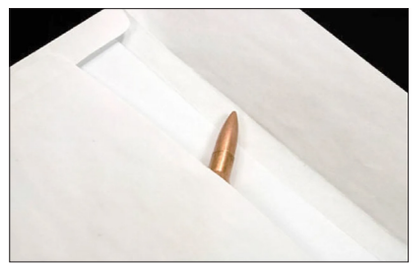

की शिकायत मिलने के बाद पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई है। अभी तक ये पता नहीं चल सका है कि पार्सल किसने भेजा।

'बुलेट अगली बार तुम्हारे सिर में होगा'

पुलिस से की गई शिकायत के अनुसार, नेता ने जब पार्सल खोला तो उसमें एक पेंसिल शार्पनर का बॉक्स था। बॉक्स के अंदर कपड़े के दो टुकड़ों में एक बुलेट यानी कारतूस लिपटा हुआ था। इसके साथ ही एक हिंदी में लिखा हुआ धमकी भरा नोट भी मिला है, जिसमें लिखा था, इस बार बुलेट को तुम्हारे हाथ में रख रहा हूं, अगली बार तुम्हारे सिर में होगा।

जांच पड़ताल शुरू

इस घटना के बाद नेता ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच पड़ताल शुरू की गई। अभी तक पार्सल भेजने वाले शख्स का पता नहीं चल सका है, लेकिन पुलिस संभावित संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती हैं। स्थानीय नेता को मिली धमकी के बाद पुलिस सुरक्षा को लेकर विचार कर रही है। पुलिस पार्सल भेजने वाले की पहचान करने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुराग खंगाल रही है। स्थानीय नेता को मिली धमकी से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे जल्द मामले की तह तक पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार करेंगे।

उदासीनता के चलते धूल फांक रही हैं वीवीएमसी परिवहन सेवा की इलेक्ट्रिक बसें

दोपहर संवाददाता । विरार

राज्य सरकार एक ओर शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है। वहीं दूसरी तरफ करोड़ों रुपए की लागत से मंगाई गईं वसई-विरार शहर मनपा (वीवीएमसी) की इलेक्ट्रिक बसें धूल फांक रही हैं। इन बसों का उदघाटन मनपा ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर किया था। पर, ये बसें वीवीएमसी के परिवहन विभाग की लापरवाही के चलते सड़कों पर नहीं आ सकीं। मौजूदा हालत यह है कि चोरों ने इन बसों से बैटरियां भी गायब कर दी हैं।

स्वराज अभियान संस्था ने इन बसों के शीघ्र संचालन की मांग की

स्वराज अभियान संस्था के अध्यक्ष धनंजय गावड़े ने वीवीएमसी के कारभार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष दिसंबर 2023 में वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने 62 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से 40 ई-बसों की सेवा शहर में शुरू करने के लिए ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड कंपनी के साथ करार किया था। इसके साथ ही 15 इलेक्ट्रिक चार्जिंग मशीनें भी खरीदी जानी थीं। इनमें से 10 इलेक्ट्रिक बसों

का उदघाटन स्वतंत्रता दिवस के मौके पर किया गया था। पर, अब तक ये इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर नहीं आ सकीं। सभी बसें मनपा मुख्यालय परिसर में खड़ी धूल फांक रही हैं। देखरेख नहीं होने से चोरों ने 10 में से 8 बसों की बैटरी चुरा ली है। धनंजय गावड़े ने कहा कि यदि इन बसों को समय रहते चलाया गया होता, तो बैटरी चोरी जैसी घटना नहीं हुई होती। गावड़े ने वीवीएमसी प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द लोगों की सुविधा के लिए इन इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत की जानी चाहिए। ऐसा करने से इन बसों पर खर्च हुए करोड़ों रुपए का सदुपयोग हो सकेगा और नागरिकों की यातायात सुविधा सुगम होगी।

जलापूर्ति भुगतान की अभय योजना का विस्तार 15 अक्टूबर तक

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में जल भुगतानकर्ताओं के बकाया राशि की वसूली के लिए, जल बकाया और दंड के कुल बकाया पर 75% छूट देने के लिए अभय योजना लागू की गई है। उक्त अभय योजना की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 थी। हालाँकि, ग्राहकों की मांग के अनुसार, नामुम्पा आयुक्त की ओर से यह घोषणा की गई है कि इस अभय योजना को 15 अक्टूबर 2024 तक बढ़ाया जा रहा है। तदनुसार, जून-जुलाई 2024 के महीनों के लिए भुगतान की अंतिम तिथि दिनांक है। इसे 15

अक्टूबर 2024 तक बढ़ा दिया गया है। हालाँकि, नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र के अतिदेय पानी बिल ग्राहकों को अपने जून-जुलाई 2024 के पानी के बिल का ऑनलाइन भुगतान करने के लिए नवी मुंबई नगर निगम की वेबसाइट https://www.nmmc.gov.in उपयोग करना चाहिए।

क्यूआर कोड के माध्यम से घर बैठे भुगतान के लिए जल भुगतान ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध

इसके अलावा, जून - जुलाई 2024-2025 के लिए वितरित प्रत्येक पानी के बिल पर उस ग्राहक के लिए एक अलग क्यूआर कोड मुद्रित किया गया है और नागरिक पानी के बिल पर क्यूआर कोड को स्कैन करके आसानी से अपने पानी के बिल का भुगतान कर सकते हैं। इसी तरह, भुगतान की सुविधा नवी मुंबई नगर निगम मुख्यालय और सभी आठ विभाग कार्यालयों के साथ-साथ बेलापुर में गौरव म्हात्रे कला केंद्र और नेरुल सेक्टर -44 जलकुंभ संकुल में जल भुगतान केंद्रों पर उपलब्ध है। हालांकि, नगर निगम आयुक्त ने संबंधित जल भुगतान करने वाले ग्राहकों से आग्रह किया है कि वे अभय योजना की विस्तारित अवधि का लाभ उठाएं और बकाया जल भुगतान राशि का तुरंत भुगतान करके आगे की कानूनी कार्रवाई से बचें।

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी
बांधकाम विभाग

ई- निविदा सुचना क्र. 89 सन 2024-2025

खालील काम करण्यासाठी सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई-निविदा मागविण्यांत येत आहे.

अ.क्र.	अंदाजित खर्च/निविदा फॉर्म फी/कामाचे स्वरुप	अंदाजपत्रकिय रक्कम	निविदा विक्री व स्विकारण्याची अंतिम दिनांक
१	प्रभाग समिती क्र.4 च्या कार्यालय इमारतीवर पत्रा शेड बांधणे.	14,62,397/-	दिनांक :-04/10/2024 दिनांक :- 18/10/2024
२	वॉर्ड क्र.18 विट्ठलनगर येथील जब्बार अन्सारी यांचे घराजवळ व विविध ठिकाणी पायवाट करणे.	14,99,822/-	

सदर निविदा बाबतची माहिती www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि. 04/10/2024 ते दि. 18/10/2024 रोजी पर्यंत उपलब्ध आहेत. ऑनलाईन निविदा संकेतस्थाळावर दि. 18/10/2024 रोजी दु. 4.०० वाजे पर्यंत स्विकारण्यात येतील.

सही/-
प्र. शहर अभियंता
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
सार्वजनिक सूचना

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975 (1 जनवरी 2018 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के अंतर्गत प्रावधान के अनुपालन में **परिमंडल-III** के अंदर **के/पूर्व** विभाग से **01** प्रस्ताव और **एच/पूर्व विभाग** से **02** प्रस्ताव यानी कुल **03** प्रस्ताव वृक्षों को हटाने के लिए वृक्ष प्राधिकरण/बीएमसी का वृक्ष प्राधिकरण/ मनपा आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी) की मंजूरी के लिए प्राप्त हुआ।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई/पुनर्रोपित करने के बारे में विस्तृत जानकारी मनपा के https://mcgm.gov.in वेबसाइट पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग और वार्ड की नियमावली संबंधित सूचना पुस्तिका-गार्डन और वृक्ष प्राधिकरण-वृक्ष प्राधिकरण--सार्वजनिक सूचना **7 दिन ---341-जोन III** पर उपलब्ध है।

उपरोक्त प्रस्ताव के संबंध में नागरिकों की कुछ आपत्तियां व सुझाव आने पर इस विज्ञापन के छपने से 7 दिन के अंदर लिखित स्वरूप में निर्धारित प्रारूप में उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में पेश किया जाए।

उसी तरह आप अपनी आपत्तियां/सुझाव निर्धारित प्रारूप में **dysg.ta@mcgm.gov.in** ईमेल आईडी पर जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय पर पेश की गई **आपत्तियों/सुझाव** पर विचार किया जाएगा। उक्त तिथि के बाद प्राप्त ईमेल या लिखित सुझाव/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त सुझाव और आपत्तियों के संबंध में सुनवाई 14/10/2024 के दिन उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में दोपहर को 4.30 से 5.00 बजे के दरम्यान किया जाएगा। जो लोग इस सुनवाई में उपस्थित होना आवश्यक समझते हैं वे उपस्थित रह सकते है वे ई-मेल, सुझाव/आपत्तियों की एक प्रति के साथ।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण के वृक्ष अधिकारी
पेग्विन इमारत, 2री मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रोड,
भायखला (पूर्व), मुंबई-400027.
दूरभाष क्रमांक-022-23742162
ईमेल- dysg.ta@mcgm.gov.in

हस्ता.
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण

पीआरओ/1515/विज्ञा./2024-25

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

उल्हासनगर के पुलिस उपायुक्त पद पर सचिन गोरे की नियुक्ति

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर झोन-4 की कानून व्यवस्था की कमान अब पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे को सौंपी गई है। एक अनुभवी, सक्षम और मेहनती अधिकारी के रूप में जाने जाने वाले सचिन गोरे ने उल्हासनगर झोन- 4 के पुलिस उपायुक्त के रूप में कार्यभार संभाला है। अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था में सुधार की उनकी योजनाओं ने नागरिकों में नई उम्मीदें जगाई हैं। उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में शहर को नई दिशा मिलेगी।

कानून व्यवस्था को नई दिशा मिलने की उम्मीद

पुलिस उपायुक्त डॉ. सुधाकर पठारे के तबादले के बाद सचिन गोरे ने पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पद का कार्यभार संभाला है. गोरे के आगमन से उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर क्षेत्र में कानून व्यवस्था को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। पुणे के मूल निवासी सचिन गोरे ने 2010 में एमपीएससी परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की और पुलिस सेवा में प्रवेश किया। उनकी पहली पोस्टिंग विदर्भ के भंडारा में एक उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (डीवाईएसपी) के रूप में थी। अपने करियर में उन्होंने त्र्यंबकेश्वर, नासिक और चालीसगांव में एडिशनल एसपी के रूप में विभिन्न पदों पर काम किया है। उन्होंने विशेष रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) में कमांडेंट और महाराष्ट्र पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण की भूमिका भी निभाई है।

जिम्मेदार और कुशल अधिकारी के रूप में पहचान

सचिन गोरे के इस अनुभवी करियर ने उन्हें पुलिस बल में एक जिम्मेदार और कुशल अधिकारी के रूप में पहचान दिलाई है। उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में ठोस भूमिका निभाई है। उल्हासनगर पुलिस झोन- 4 में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के रूप में सचिन गोरे की नियुक्ति उनकी पहली पोस्टिंग है।

पदभार किया ग्रहण

पदभार ग्रहण करने के बाद सचिन गोरे का उल्हासनगर मंडल के साथी अधिकारियों और कर्मचारियों ने जोरदार स्वागत किया। सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली, सुरेश वराडे, और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु तम्हाने, शंकर अवताडे, अनिल पडवाल, अनिल जगताप, अशोक भगत, जगन्नाथ कालस्कर, किरण बलवाडकर और राजेंद्र लांडगे सहित कई अधिकारी गोरे के स्वागत करने के लिए उपस्थित थे।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that **Ms. Neena Gian Moorjani** has agreed to sell us, the residential flat at A wing, Flat no. 2 on 1st Floor, Mom Apts., Yari Road, Versova, Andheri (W), Mumbai - 61 free from all encumbrances. Any person having any rights, title, interest claim or demand of any nature whatsoever in respect of the said flat is hereby required to make the same known in writing along with the documentary proof thereof to the undersigned at Israr Mohammed Ismail Shaikh, 202 Shree Sai Sagar Apts, R.C church Rd., Versova, Andheri (w), Mumbai - 61 within 15 days from the date of publication here of, failing which the negotiations shall be completed without any reference to such claims & the claims if any, shall be deemed to have been given up or waived.

Place : Andheri West • Dated : 03/10/24.
Sd/-
Mr Vivek Singh,
Advocate, High Court, Bombay
Mob : 9769990888

पश्चिम रेलवे

दूरसंचार सुविधा का प्रावधान

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर (सीओ), द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008. आमंत्रण ई-**निविदा सं: WR-MMCT-SnT-STTD-7-2024R दिनांक 30.09.2024. कार्य का नाम:** निम्नलिखित के संबंध में दूरसंचार सुविधा का प्रावधान 1) प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन को बढ़ाने के लिए इंजीनियरिंग विभाग के कार्यालय और केबिनों का पुनर्गठन और जीएलओ बिल्डिंग, चर्चगेट, द्वितीय तल पर इंजीनियरिंग सम्मेलन हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेंस की सुविधा।
2) मुंबई सेंट्रल में मौजूदा बेलासिस रोड ओवर ब्रिज की रीगर्डिंग, 3) अंधेरी (रेलवे भाग) में सी.डी. बर्फीवाला रोड और प्रो. फड़के रोड को जोड़ने वाले गोपाल कृष्ण गोखले ब्रिज पर मौजूदा आरओबी का पुनर्निर्माण और 4) बधवार पार्क रेलवे कॉलोनी में ऑफिसर्स क्लब की मरम्मत और नवीनीकरण. **कार्य की लागत:** रु.87,38,124.92. **बोली सुरक्षा:** रु.1,78,000.00. **ई-निविदा दस्तावेज जमा करने के लिए बंद होने का समय और तिथि:** 28.10.2024 को दोपहर 15.30 बजे. **ई-निविदा खोलने का समय और तिथि:** 28.10.2024 को दोपहर 15.30 बजे। **निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है.** 0585

Like us on: facebook.com/WesternRly

सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों का सर्वेक्षण

दोपहर संवाददाता । ठाणे

अब जल गुणवत्ता सर्वेक्षण और निगरानी कार्यक्रम जिला जल और स्वच्छता मिशन सेल, जिला परिषद ठाणे के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों का स्वच्छता सर्वेक्षण कार्य 1 अक्टूबर 2024 से जारी है। यह

आगामी 31 अक्टूबर, 2024 की अवधि के भीतर पूरा किया जाना है। जल गुणवत्ता सर्वेक्षण एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जल स्रोत स्वच्छता सर्वेक्षण वर्ष में दो बार मानसून से पहले और मानसून के बाद किया जाता है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे और परियोजना निदेशक जल जीवन मिशन अतुल पारस्कर ने आज स्वास्थ्य विभाग को यह सर्वेक्षण समय पर पूरा करने का आदेश दिया है। सार्वजनिक स्रोतों का पेयजल स्वच्छता सर्वेक्षण यह सर्वेक्षण ग्राम पंचायत में जलसुरक्षक, ग्राम पंचायत अधिकारी, आरोग्य सेवक द्वारा किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के लिए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी जिम्मेदार हैं।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given for the information of public that my Clients – Mr. Sanjeev Sureshkumar Rana & Mr. Gouravkumar Sureshkumar Rana are the Joint Owners of the Residential Premises bearing Flat No. 603 admeasuring 522.50 Sq. Ft. of Carpet Area located on the 6th Floor, of the Building No.1, K Wing, of the MULUND SHREE SAI SURYA Co-operative Housing Society Ltd; situated at NEW P.M.G.P. MHADA COLONY, NAVGHAR ROAD, Mulund (East), Mumbai – 400 081, constructed on a plot of land bearing Survey No. 386, C.T.S. No. 1320/A-28 (Part) of Village – Mulund East, Taluka Kurla, in the Registration District and Sub District of Mumbai Suburban and within the limits of 'T' Ward (Hereinafter for short referred to as "the said Flat") and It is further informed that my clients are willing to sell the said flat to the intending purchaser/s.

Any person or persons having any right, title, interest by way of inheritance or claim against the said flat, should send their claims in writing to the undersigned along with the documentary evidence in support of the said claim thereof within 14 days of the publication of the this notice, failing which claims if any shall be deemed to have been waived.

Place: Mumbai.
Date: 04/10/2024
Sd/-
Mr. Rajiv B. Singh.
(Advocate High Court)
B/102, Prem Zephyr Building, Opp. Sheth Karamshi Kanji English School, V. P. Road, Mulund (W), Mumbai – 400080.
Mob: 9820 74 1213 – 9820 75 1213

शिवाई नगर में मराठा भवन व विद्यार्थियों के लिए छात्रावास

दोपहर संवाददाता । ठाणे

मनपा क्षेत्र के अंतर्गत शिवाई नगर में रौनक बिल्डर लगभग 2100 स्क्वायर मीटर सुविधा भूखंड पर मनपा क्षेत्र में पहला मराठा भवन व विद्यार्थियों के लिए छात्रावास का निर्माण किया जायेगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधायक प्रताप सरनाईक के मांग पर मराठा भवन के लिए 25 करोड़ रुपये की धन राशि अनुदान मनपा को दिया है। वहीं स्थानीय पूर्व नगरसेविका परिषा प्रताप सरनाईक के निधी से 2 करोड़ रुपये बिल्डिंग के सजावट

के लिए दिया है। कुल 27 करोड़ रुपये मराठा भवन निर्माण के लिए खर्च होगा।

मराठा समाज के संगठनों की थी मांग

पिछले कई दिनों से शहर में मराठा भवन व विद्यार्थियों के लिए छात्रावास बनाने के लिए सकल मराठा समाज व अन्य मराठा समाज के संगठनों की मांग मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व विधायक प्रताप सरनाईक से किया था। राज्य के कोने कोने से मराठा छात्र व छात्राएं मुंबई ठाणे शिक्षण ग्रहण करने के लिए आती है उनके रहने के लिए उचित व्यवस्था नही होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा मराठा समाज के मध्यम वर्गीय परिवार के लिए कम दर में हाल भी मिलना मुश्किल होता है। इस परिस्थिति से निजात दिलाने के लिए विधायक प्रताप सरनाईक ने मौके का सुविधा भूखंड शिवाई नगर में उपलब्ध करवाकर मराठा भवन निर्माण के लिए गति मिला। इस भवन के ग्राउंड फ्लोर व पहला मंजिल सांस्कृतिक कार्यक्रम व दूसरा मंजिल बैंकेट हाल मराठा समाज के लिए कम दर से उपलब्ध होगा।

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार जीवन का उद्देश्य सत्य की प्राप्ति है : एलेन डेनियलो

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेट को 18 नवंबर तक जांच रिपोर्ट पेश करने का दिया निर्देश

राजा आदाटे । मुंबई

बाम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया है कि वे बदलापुर दुष्कर्म मामले के आरोपित अक्षय शिंदे की न्यायिक हिरासत में हुई मौत मामले की जांच रिपोर्ट 18 नवंबर तक पेश करें। हाई कोर्ट की जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने यह भी निर्देश दिया कि मामले से संबंधित सभी साक्ष्य एकत्र किए जाएं, संरक्षित किए जाएं और फोरेंसिक विशेषज्ञों द्वारा जांच की जाए। खंडपीठ ने पुलिस को घटना की जांच में मजबूत फोरेंसिक साक्ष्य शामिल करने पर भी जोर दिया, जहां आरोपित पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।

'मृत शरीर सबसे मूक और ईमानदार गवाह है'

अदालत ने कहा, 'मृत शरीर सबसे मूक और ईमानदार गवाह है। कोर्ट ने इस बात पर अपनी नाराजगी व्यक्त की कि पुलिस ने उस पानी की बोतल को जब्त नहीं किया है जो आरोपित को वाहन में पानी मांगने पर दी गई थी। पुलिस का कहना था कि पानी मांगने पर आरोपित की हथकड़ी खोल दी गई थी जिसके बाद उसने जबरन एक पुलिस अधिकारी की पिस्तौल छीन ली और गोली चला दी। सरकारी वकील बीरेंद्र सराफ ने कहा कि इन मामलों की छानबीन की जा रही है। कोर्ट ने आरोपित के परिवार, आरोपित के वकील और उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर भी सवाल किया, इस पर सरकारी वकील ने कहा कि इन सभी को सुरक्षा दी गई है।

खंडपीठ ने जांच पर कई सवाल खड़े किए

बदलापुर दुष्कर्म मामले के आरोपित अक्षय शिंदे की मुंब्रा में पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी। इसी मुठभेड़ को चुनौती देते हुए आरोपित के पिता अन्ना शिंदे ने बाम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। गुरुवार को इस याचिका की सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने जांच पर कई सवाल खड़े किए। कोर्ट ने पूछा कि क्या पुलिस ने मृतक के शरीर से फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। अदालत ने कहा कि प्रत्येक बन्दूक का एक विशिष्ट पैटर्न होता है और उसके अवशेष भी अलग-अलग होते हैं। मृतक के सिर पर जहां गोली लगी थी।

'मालेगांव ब्लास्ट के पीछे हो सकता है SIMI का हाथ'

प्रज्ञा ठाकुर के वकील की अदालत में दलील

दोपहर संवाददाता । मुंबई

2008 के मालेगांव विस्फोट के पीछे प्रतिबंधित छात्र इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का हाथ हो सकता है। विस्फोट मामले की मुख्य आरोपी और बीजेपी की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर के वकील ने अदालत में यह दलील दी है। आरोपी प्रज्ञा ठाकुर के वकील जेपी मिश्रा ने कहा कि स्थानीय लोगों ने विस्फोट के तुरंत बाद पुलिस को घटनास्थल पर पहुंचने से रोका था। हो सकता है कि ऐसा आरोपियों को बचाने के लिए किया गया हो।

प्रज्ञा ठाकुर के वकील का तर्क

दरअसल, बचाव पक्ष मौजूदा वक्त में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) मामलों के स्पेशल जज एके लाहोटी की अदालत में मामले में अंतिम दलीलें दे रहा है। इस दौरान प्रज्ञा ठाकुर के वकील ने कहा कि जब भी ऐसी कोई घटना होती है तो लोग पुलिस की मदद करते हैं। लेकिन इस मामले में घटना के तुरंत बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हुए और पुलिस पर पथराव कर दिया, जिससे पुलिसकर्मियों को विस्फोट स्थल पर पहुंचने से रोका गया। मिश्रा ने दावा किया कि हो सकता है कि उन्होंने ऐसा अपने लोगों (सिमी से जुड़े) को बचाने के लिए किया हो। वकील मिश्रा ने तर्क दिया, "विस्फोट स्थल के पास सिमी का एक कार्यालय स्थित था, जहां कथित तौर पर बम बनाए गए थे। हो सकता है कि जब दुर्घटनावश विस्फोट हुआ हो, तब वे (सिमी के लोग) दोपहिया वाहन पर विस्फोटक ले जा रहे हों। हालांकि, जांचकर्ताओं ने दावा किया था कि मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर की थी। अब इस मामले में मुख्य आरोपी के वकील जेपी मिश्रा शुक्रवार को अपनी दलीलें जारी रखेंगे।

केस डायरी

बता दें कि 29 सितंबर 2008 को उत्तर महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 200 किलोमीटर दूर मालेगांव में एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण के फटने से 6 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए। इस मामले के मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 323 अभियोजन पक्ष के गवाहों की जांच की, जिनमें से 34 मुकर गए। 2019 से 2024 तक भोपाल से BJP सांसद रहीं प्रज्ञा ठाकुर के अलावा, मामले में अन्य आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी हैं। उन पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच शुरू में महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते ने की थी, जिसके बाद 2011 में इसे एनआईए को सौंप दिया गया। विशेष अदालत ने 30 अक्टूबर 2018 को आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे।

ग्रांट रोड इलाके में इमारत का स्लैब ढहा, एक की मौत

मुंबई। दक्षिण मुंबई के ग्रांट रोड इलाके में बृहस्पतिवार को एक पांच मंजिला इमारत में कई मंजिलों के स्लैब गिरने से 36 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। नगर निकाय के अधिकारियों ने जय जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा, मौलाना शौकत अली रोड पर शालीमार होटल के पास स्थित यूनाइटेड चैंबर्स बिल्डिंग में सुबह 10.18 बजे हुई इस घटना में दूसरी मंजिल का एक हिस्सा पहली मंजिल पर गिर गया, जबकि पहली मंजिल का एक हिस्सा भूतल पर गिर गया। उन्होंने बताया कि सागर शिवाजी निकम नामक व्यक्ति को मलबे से बाहर निकाला गया और उसे निकटवर्ती जेजे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर राहत अभियान अग्निशमन विभाग, बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम, पुलिस, स्थानीय वार्ड कार्यालय और '108' एम्बुलेंस सेवा के कर्मियों द्वारा चलाया गया। इससे पहले एक अधिकारी ने बताया था कि इमारत चार मंजिला थी। इसमें लोग रहते भी हैं और व्यावसायिक इकाइयां भी थीं और डेढ़ साल पहले सरकारी म्हाडा ने इसकी मरम्मत की थी।

नसरल्लाह की मौत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पड़ा भारी

पुलिस ने 30 लोगों पर दर्ज किया मामला

दोपहर संवाददाता । मुंबई

लेबनान के बेरूत में इसराइली हमलों में हिज्बुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला की मौत के बाद मुंबई के गोवंडी इलाके में मोमबत्ती जुलूस निकालकर विरोध जताया था। अब पुलिस ने बिना इजाजत जुलूस निकालने के लिए करीब 30 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। एक अफसर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

गोवंडी में 'कैंडल मार्च'

अफसर ने बताया कि मंगलवार शाम को इमामबाड़ा और बैंगनवाड़ी इलाके के बीच जुलूस निकाला गया था, जो डिप्टी पुलिस कमिश्नर (ऑपरेशन) द्वारा 12 सितंबर को जारी किए गए आदेश का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि 36 साल के पुलिसकर्मी को व्हाट्सएप पर प्रदर्शन का एक वीडियो मिला, जिसमें कुछ लोग फलस्तीन के सपोर्ट और इसराइल के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दिखाई दे रहे थे। अफसर ने बताया कि 'कैंडल मार्च' के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथ में हिदज्बुल्लाह नेता हसन नसरल्ला के पोस्टर लिए हुए थे।

महाराष्ट्र पुलिस 30 लोगों के खिलाफ मामल किया दर्ज

इसके बाद पुलिस ने इस मामले में शिवाजी नगर थाने में बुधवार शाम को भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत सात लोगों की पहचान की और 20 से नालूम शख्स के खिलाफ 'एक लोक सेवक के आदेश की अवज्ञा' और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

नसरल्लाह की 28 सितंबर को हुई थी मौत

उल्लेखनीय है कि लेबनान की राजधानी बेरूत के रिहाईशी इलाके में मौजूद हिज्बुल्लाह के हेडक्वार्टर पर इसराली सैनिकों ने 28 सितंबर को हवाई हमला किया था। इसराइल के इस हमले में हिज्बुल्ला चीफ हसन नसरल्ला और उसकी बेटी जैनब नसरल्लाह की मौत हो गई थी।

दो बजे दोपहर
संपादकीय

संपादकीय

अन्याय का बुलडोजर

शीर्ष अदालत ने एक उस विवादास्पद मुद्दे पर स्पष्ट राय देश के सामने रखी है जिसकी तार्किकता को लेकर पिछले कई वर्षों से बार-बार सवाल उठ रहे थे। यानी कुछ राज्य सरकारों के बुलडोजरी न्याय को लेकर। खासकर भाजपा शासित राज्यों में गंभीर अपराधों व अनधिकृत कब्जों के खिलाफ पीला पंजा चलता देखा गया। जाहिरा तौर पर इस तरह की कार्रवाई न्याय की कसौटी पर खरी नहीं उतरती है। सवाल यह भी है कि जब तक किसी व्यक्ति पर सिर्फ आरोप ही लगे हैं, तो उसका घर कैसे गिराया जा सकता है? इस विवादास्पद कार्यशैली को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवायी के दौरान देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणियां की हैं। अदालत का मानना था कि भले ही कोई व्यक्ति किसी संगीन मामले में दोषी हो तो भी बिना न्यायिक प्रक्रिया पूरी किए ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इसके मायने अवैध निर्माण को संरक्षण देना कदापि नहीं है। दरअसल, इस मामले में केंद्र व राज्य सरकारों की तरफ से दलील दी जाती रही है कि जिन मामलों में यह कार्रवाई की गई वे गैरकानूनी कब्जे कर किए गए अनधिकृत निर्माण थे। निस्संदेह, ये दलीलें मामले में जरूरी प्रक्रिया को न अपनाये जाने के चलते न्याय के अनुरूप नहीं ठहराई जा सकती हैं। दरअसल, हाल के वर्षों में कई बार देखने में आया कि कुख्यात अपराधियों,हत्यारों व बलात्कारियों के घर जमींदोज कर दिए गए। सतही तौर पर कहा जाता रहा है कि ऐसे अपराधियों में शासन-प्रशासन का भय होना चाहिए। लेकिन इस कार्रवाई को व्यापक अर्थों में देखें तो यह न तो कानून की कसौटी पर खरा उतरती है और ना ही इसे मानवीय दृष्टि से सही कहा जा सकता है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक संगठनों द्वारा ऐसी कार्रवाई को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। निश्चय ही किसी सभ्य समाज में ऐसे सवालों का उठना लाजिमी है। सर्वोच्च न्यायालय के उस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया था कि किसी मामले में आरोप लगने के बाद ऐसी कार्रवाई कानून सम्मत नहीं है। लेकिन ऐसी कार्रवाई तब भी नहीं की जानी चाहिए जब उसका अपराध साबित हो गया हो। निस्संदेह, घर एक पारिवारिक इकाई का नाम है। एक घर को बनाने में एक व्यक्ति की पूरी उम्र लग जाती है। फिर परिवार के तमाम सदस्यों का भी तो वह घर होता है। उनको अपराधी या आरोपी व्यक्ति के कृत्यों के चलते बेघर तो नहीं ही किया जा सकता। यह न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि अमानवीय कदम भी है। जिनका किसी अपराध से लेना-देना न हो, उन्हें दंडित करना अन्याय ही तो है। फिर यदि किसी व्यक्ति के घर पर आरोपों के चलते बुलडोजर चला दिया गया हो और वही व्यक्ति कालांतर आरोपमुक्त हो जाए, तो ध्वस्त घर बनाने की जिम्मेदारी किसकी होगी? शासन-प्रशासन के अधिकारियों को अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के बजाय विवेक व न्यायसंगत तरीके से कोई निर्णय लेना चाहिए। निस्संदेह, अतिक्रमण का संकट देशव्यापी है, जिसे धर्म-जाति से परे कानून की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। बल्कि तमाम तरह के अतिक्रमणों को बढ़ावा देने में राजनेताओं की बड़ी भूमिका होती है। कालांतर वोट बैंक बनाने के लिये वे इन अवैध निर्माणों को वैध बनाने की कोशिश में जुट जाते हैं। बहरहाल, देश में अतिक्रमण हटाने और बुलडोजर के इस्तेमाल को लेकर देशव्यापी दिशा-निर्देश तय होने चाहिए। जिससे राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिये इस कार्रवाई को तार्किक ठहराने की कोशिश न कर सकें। साथ ही अवैध निर्माण गिराने की प्रक्रिया सबके लिये एक समान होनी चाहिए। वैसे तो अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया निरंतर सालभर चलने वाली प्रक्रिया है, इसका चुनाव या लक्षित समय में उपयोग करना गलत होगा। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे हैं ताकि पूरे देश में बुलडोजर के इस्तेमाल के बाबत तार्किक व एकरूपता वाले दिशा-निर्देश राज्य सरकारों को दिए जा सकें। सवाल अधिकारियों का अपनी विश्वसनीयता कायम करने का भी है।

क्या अब खामेनेई हैं इस्राइल के निशाने पर

इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) और मोसाद का मनोबल इस समय ऊंचा है। 58 दिनों के भीतर मध्य पूर्व में दो 'शक्तिशाली' नेताओं, हमास नेता इस्माइल हानिया और हिज़बुल्ला प्रमुख हसन नसरल्लाह को खत्म करने के बाद, सवाल यह है कि इस्राइल का अगला लक्ष्य कौन होगा? इस्राइल ने संकेत दिया है कि वह नफ्ताली बेनेट के 'ऑक्टोपस सिद्धांत' का पालन कर रहा है, जो हिज़बुल्ला या हमास जैसी छाया शक्तियों से लड़ने की बजाय, ईरान के साथ अब सीधा भिड़ना चाहता है। अर्थात, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई अब निशाने पर हैं। नसरल्लाह की हत्या के बाद, ईरानी अधिकारियों ने ख़ामेनेई को देश के अंदर एक अज्ञात सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया था, जहां सुरक्षा के कड़े उपाय किए गए हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्राइल ने कहा कि हम आतंकवादी समूहों को समर्थन देने वालों को पाताल से खोजकर निकाल लेंगे। 30 जुलाई, 2024 को याद कीजिये, जब इस्राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमला किया, जिसमें हिज़बुल्ला के शीर्ष कमांडरों में से एक, फुआद शुक्र की मौत हो गई। कुछ घंटों बाद, एक विस्फोट में हमास के शीर्ष राजनीतिक नेता इस्माइल हनिया की तेहरान में मौत हो गई, जहां वे ईरान के नए राष्ट्रपति के उद्घाटन समारोह में भाग ले रहे थे। इस्राइल ने पिछले हफ्ते दहियाह में एक आवासीय इमारत के नीचे समूह के भूमिगत मुख्यालय पर 'लक्षित हमले' में हिज़बुल्ला प्रमुख सैय्यद हसन नसरल्लाह को मार डाला था। नसरल्लाह, जिन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक हिज़बुल्ला का नेतृत्व किया था, खामेनेई के ख़ास और ईरान की क्षेत्रीय प्रॉक्सी रणनीति में एक प्रमुख चेहरा थे। हमास नेता इस्माइल हानिया के बाद हसन नसरल्लाह इन दो ताक़तवर चेहरों के बूते ईरान की लीडरशिप इस्राइल को सबक़ सिखाने का दम भरती थी।

ईरान, जिसने नसरल्लाह की मौत के बाद बदला लेने की कसम खाई थी, ने मंगलवार रात को इस्राइल पर लगभग 200 बैलेस्टिक मिसाइलें दागीं। रॉयटर्स के अनुसार, 'ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि मिसाइल हमला हाल ही में लेबनान और गाजा में नेताओं की इस्राइली हत्याओं और ईरान समर्थित सशस्त्र समूह हिज़बुल्ला के खिलाफ आक्रामकता का जवाब था।' लेकिन, इसे फुस्स हमला माना जाये, जिसमें इस्राइल के जान-माल की हानि लगभग नहीं के बराबर हुई। 85 वर्षीय ख़ामेनेई 1989 से हिज़बुल्ला का समर्थन कर रहे हैं। बेरूत में इस्राइल के हमले के बाद उन्होंने कहा, 'क्षेत्र में सभी प्रतिरोधक ताक़तें हिज़बुल्ला के साथ खड़ी हैं।' ख़ामेनेई के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, नेतन्याहू ने कहा, 'आपके दोस्त ऐसे ही नारे लगाते थे, अब देखिए वे कहां हैं।' इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि ईरान को इस्राइल पर मिसाइल हमले के लिए परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने सिनवार, डेफ़ और नसरल्लाह का हवाला देते हुए दावा किया कि जो प्रतिद्वंद्वी इस्राइल के सेल्फ डिफेन्स को कम आंक रहे हैं, वो परिणाम भुगतने को तैयार रहें। दिलचस्प यह है, ईरान के सर्वोच्च नेता अब रेवोल्यूनेशनरी गार्ड के रहमोकरम पर है। कभी अयातुल्ला अली खामेनेई की मर्जी के बग़ैर ईरान का पत्ता नहीं हिलता था। अब उन्हें डर है कि कोई 'विभीषण', मोसाद को उनके ठिकाने की सूचना न लीक कर दे। सिनवार, डेफ़, हानिया और नसरल्लाह की हत्याएं सत्ता के गलियारे में सक्रिय 'विभीषणों' की सूचनाओं की वजह से हुई थी। अयातुल्ला अली खामेनेई पर जानलेवा हमला पहले हो चुका है। 27 जून 1981 को मुजाहिदीन-ए-खल्क द्वारा की गई हत्या के प्रयास में वो बाल-बाल बच चुके हैं, जब टेप रिकॉर्डर में छिपा हुआ एक बम, उनके बगल में फट गया। अयातुल्ला अली खामेनेई के इलाज में कई महीने लग गए, तब से उनका दाहिना हाथ काम नहीं कर पाता। ईरानी मीडिया ने शनिवार को बताया कि लेबनान की राजधानी के बाहर इस्राइली हमलों में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के डिप्टी कमांडर अब्बास निलफोरुशन की भी मौत हो गई। सर्वोच्च नेता की सुरक्षा के वास्ते जो उपकरण लगाए गए हैं, उनकी सबसे पहले जांच की गई। क्या रूस और चीन की ख़ुफ़िया एजेंसियां अयातुल्ला अली खामेनेई की सुरक्षा को कोऑर्डिनेट कर रही हैं? इस सवाल पर बिलकुल चुप्पी है। अब जब सर्वोच्च नेता के ही जान के लाले पड़े हुए हों, तो ईरान इस्राइल से बदला क्या लेगा? ईरान ने हिज़बुल्ला और हुथी लड़ाकों का इस्तेमाल जिस तरह से किया है, उससे कई सवाल खड़े होते हैं। भूमध्यसागर के पूर्वी तट पर स्थित एक संकीर्ण पट्टी पर अवस्थित लेबनान, दुनिया के छोटे मुल्कों में से एक है। इस समय आप राजधानी बेरूत चाहकर भी नहीं जा सकते। कभी लेबनान, 'मध्य-पूर्व का स्विट्ज़रलैंड' माना जाता था। अब लेबनान एक 'फेल्ड स्टेट' है। यह भी दिलचस्प है कि युद्ध इस्राइल और लेबनान के बीच नहीं हो रही, बल्कि हिज़बुल्ला एक राष्ट्रीय फ़ोर्स के रूप में एक्ट कर रहा है। यह सब ईरान की शह पर हुआ। लेबनानी सशस्त्र बलों (एलएएफ) में 72,000 सक्रिय कर्मी हैं, जिनमें वायु सेना में 1,100 और नौसेना में 1,000 शामिल हैं। 'एलएएफ' को हिज़बुल्ला की तुलना में कम शक्तिशाली और प्रभावशाली माना जाता है। हिज़बुल्ला के पास 20,000 सक्रिय लड़ाके और 20,000 रिज़र्व हैं। उसे ईरान से रॉकेट और ड्रोन सहित उन्नत हथियार मिलते हैं। आप कह सकते हैं, हिज़बुल्ला राजनीतिक रूप से भले सत्ता में नहीं है, लेकिन पूरा देश उसके नियंत्रण में है।

पुष्परंजन

यमन में हूथी विद्रोही भी ईरान की देन हैं। लेकिन सवाल यह है, कि मध्य-पूर्व की यह लड़ाई कहां जाकर रुकेगी? जिन अतिवादी संगठनों के नेता मारे गए, वहां उनके उत्तराधिकारी बैठाये जा चुके हैं। चार दिन बाद हमास के हमले की बरसी है। गाज़ा में जो बचे हुए बंधक हैं, उनका क्या होगा? हालिया हमले में इस्राइली डिफेन्स फ़ोर्स और उनकी आंतरिक सुरक्षा सेवा 'शिन बेत' की ताक़तें बढ़ी हैं। नेतन्याहू की कुर्सी भी 7 अक्तूबर, 2023 के बाद से बचती रही है। लेकिन यह सब किसकी तबाही की क़ीमत पर? क्या नवम्बर में अमेरिकी चुनाव के बाद मिडल ईस्ट में शांति आएगी? जो अमेरिकी वोटबैंक है, उसे क्या मिडल ईस्ट में अशांति सत्तापक्ष के लिए सहानुभूति पैदा करती है? ये तमाम सवाल हैं। दोनों पक्ष की आम जनता मूकदर्शक होकर अपनी बर्बादी देख रही है, हमारे देश में बुलियन मार्केट में निवेश करने वाले खुश हैं, कि सोना-चांदी महंगा हो रहा है। महबूबा मुफ्ती को लग रहा है कि हसन नसरल्लाह की हत्या के विरुद्ध एक दिन का चुनाव प्रचार बंद कर देने से, पीडीपी सत्ता में आ जाएगी। सबके अपने-अपने एजेंडे हैं!

जीवन मंत्र

चमत्कार का वरदान

स्वर्गदूत ने वरदान दिया कि जो भी तुम्हारी छाया में आएगा, वह स्वस्थ हो जाएगा, मगर यह चमत्कार तभी होगा, जब सूरज की किरणें तुम्हारे चेहरे पर होंगी।

युगों पहले धरती पर एक ऐसा आदमी रहता था, जो हरेक व्यक्ति से प्यार करता और हर किसी के गुनाहों को माफ कर देता था।

एक दिन ईश्वर ने उसके पास अपना दूत भेजा। देवदूत ने उससे कहा, 'तुम्हारी अच्छाइयों से प्रसन्न होकर ईश्वर तुम्हें कोई नायाब इनाम देना चाहते हैं। तुम जो भी अनुग्रह चाहते हो, वह तुम्हें प्रदान किया जाएगा। क्या तुम लोगों के उपचार की शक्ति पाना चाहोगे?'

उस व्यक्ति ने कहा, 'कदापि नहीं। मैं चाहूंगा कि ईश्वर खुद ही यह तय करें कि किसे स्वस्थ करना है।'

देवदूत ने कहा, 'मगर तुम्हें कोई चमत्कारिक शक्ति दिए बिना मैं स्वर्ग लौट नहीं सकता। यदि तुम स्वयं कोई शक्ति नहीं चुनोगे, तो मैं जो भी शक्ति तुम्हें दूंगा, तुम उसको स्वीकार करने को बाध्य होगे!'

उस आदमी ने पहले कुछ सोचा और फिर बोला, 'मुझे ऐसी शक्ति दीजिए कि मेरे जरिये जो भी ठीक हो, उसे इस बात का पता न लगे, यहां तक कि खुद मुझे भी नहीं, ताकि मैं व्यर्थ में कोई पाप न करूं।'

स्वर्गदूत ने वरदान दिया कि जो भी तुम्हारी छाया में आएगा, वह स्वस्थ हो जाएगा, मगर यह चमत्कार तभी होगा, जब सूरज की किरणें तुम्हारे चेहरे पर होंगी।

इस तरह, वह जहां भी गया, बीमार ठीक हो गए, धरती फिर से उपजाऊ हो गई और दुखी लोगों को फिर से खुशी मिली। अपने चमत्कारों से अनभिज्ञ उस शख्स ने वर्षों तक पृथ्वी की यात्रा की, क्योंकि जब सूर्य की किरणें उसके चेहरे पर दमकतीं, तब छाया हमेशा उस व्यक्ति के पीठ पीछे बनती थी। इस तरह वह अपनी पवित्रता से भिज्ञ हुए बिना जी सका और मर सका।

प्रस्तुति: विष्णु यादव

शख्सियत

महिला अधिकारों की अगुआ

मानसी प्रधान

मानसी प्रधान एक प्रसिद्ध भारतीय कार्यकर्ता और लेखिका हैं, जिन्हें महिला अधिकारों को आगे बढ़ाने में उनके अथक काम के लिए जाना जाता है। 4 अक्टूबर, 1962 को ओडिशा के बानापुर में जन्मी, उन्होंने भारत भर में महिलाओं के लिए सशक्तिकरण और साहस का प्रतीक बनने के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियों को पार किया।

मानसी प्रधान का प्रारंभिक जीवन कठिनाइयों से भरा था, वे सीमित संसाधनों वाले एक छोटे से गाँव में पली-बढ़ीं। लड़कियों की शिक्षा को हतोत्साहित करने वाले सामाजिक दबावों के बावजूद, उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने अपने समुदाय की महिलाओं के लिए बाधाओं को तोड़ते हुए कानून की डिग्री और साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की।

1987 में, उन्होंने ओडिशा महिला समाज की स्थापना की, जो महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ने, शिक्षा प्रदान करने और हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए समर्पित एक संगठन है। उनके समर्पण ने 2009 में ऑनर फॉर वीमेन नेशनल कैंपेन की शुरुआत की, एक आंदोलन जिसका उद्देश्य पूरे भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करना है। अभियान कानूनी सुधारों, जागरूकता कार्यक्रमों और महिलाओं को उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और भेदभाव के खिलाफ खड़े होने के लिए सशक्त बनाने पर केंद्रित है। प्रधान की सक्रियता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उन्हें भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रतिष्ठित रानी लक्ष्मीबाई स्त्री शक्ति पुरस्कार सहित कई पुरस्कार मिले हैं। उन्हें लैंगिक समानता के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई द्वारा शीर्ष 20 सबसे प्रेरणादायक महिलाओं की वैश्विक सूची में भी शामिल किया गया था और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में सूचीबद्ध किया गया था।

सक्रियता से परे, प्रधान एक विपुल लेखिका भी हैं, जो लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपनी साहित्यिक आवाज़ का उपयोग करती हैं। उनका काम महिलाओं की पीढ़ियों को उनके अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करता है, और वह लैंगिक न्याय के लिए वैश्विक लड़ाई में एक शक्तिशाली आवाज़ बनी हुई हैं।

एक छोटे से गांव से वैश्विक मंच तक मानसी प्रधान की यात्रा दुनिया को महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और अधिक समान स्थान बनाने के लिए उनके लचीलेपन और अडिग प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

जीवन ऊर्जा

एलेन डेनियलो : जन्म-4 अक्टूबर 1907

जन्म

जीवन का उद्देश्य सत्य की प्राप्ति है

एलेन डेनियलो एक फ्रांसीसी इतिहासकार, संगीतज्ञ और इंडोलॉजिस्ट थे। वे भारतीय संस्कृति, दर्शन और संगीत की गहन खोज के लिए प्रसिद्ध हैं। डेनियलो ने हिंदू धर्म पर कई प्रभावशाली रचनाएं लिखीं और पश्चिम में भारतीय शास्त्रीय संगीत को पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उमका जन्म 4 अक्टूबर, 1907 और निधन 27 जनवरी, 1994 को हुआ।

सत्य कभी किसी एक व्यक्ति की संपत्ति नहीं होता, बल्कि सभी मनुष्यों का खजाना होता है। जीवन का उद्देश्य सत्य की प्राप्ति है, सफलता की इच्छा नहीं। खुशी का सार स्वतंत्रता और जीवन को वैसा ही देखने की क्षमता में निहित है जैसा वह है। हमें अनिश्चितता और संदेह को स्वीकार करना सीखना चाहिए, क्योंकि वे ज्ञान के मार्ग हैं। सच्चा ज्ञान ज्ञान के संचय से नहीं, बल्कि समझ की सरलता से आता है। ईश्वर की खोज मनुष्य की सर्वोच्च आकांक्षा है, क्योंकि इसमें वह अपना सच्चा स्व पाता है। सबसे महान यात्राएं वे हैं जो भीतर की ओर ले जाती हैं, किसी की आत्मा की खोज की ओर। संगीत मनुष्य की रचना नहीं है, बल्कि ब्रह्मांडीय व्यवस्था का प्रतिबिंब है, ईश्वर की भाषा है। सफलता को इस बात से मापा जाना चाहिए

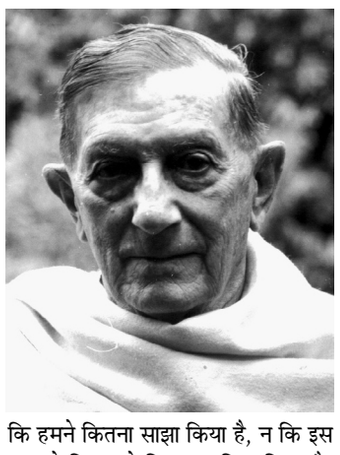

कि हमने कितना साझा किया है, न कि इस बात से कि हमने कितना हासिल किया है। स्वतंत्रता उस क्षण से शुरू होती है जब हम नियंत्रण छोड़ देते हैं और अज्ञात को अपना लेते हैं। ब्रह्मांड एक लय है, और जीवन एक नृत्य है; प्रकृति की धड़कन के साथ चलने से सामंजस्य आता है। असली खुशी सरल, प्राकृतिक और कालातीत चीजों में निहित है, सतही चीजों में नहीं। जब हम दुनिया के शोर को शांत कर देते हैं, तो हम दिल की बुद्धि को सुनना शुरू कर देते हैं। एक बुद्धिमान व्यक्ति दुनिया को जीतना नहीं चाहता, बल्कि उसे समझना चाहता है। आंतरिक शांति समस्याओं से बचकर नहीं, बल्कि स्पष्टता और साहस के साथ उनका सामना करके प्राप्त की जाती है। ईश्वर को जानने की कोशिश में, हम अपने भीतर अनंत संभावनाओं की खोज करते हैं। शक्ति प्रतिरोध में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों के अनुकूल होने की लचीलेपन में पाई जाती है। सच्ची शक्ति प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए शांत और संयमित रहने की क्षमता में निहित है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भाग्योदय का चिंतन करते रहें

(भाग 1)

महर्षि व्यास जी के जीवन में नंदी द्वारा भुज स्तम्भित होने के बाद परिवर्तन आया। वे लगातार काशी में रहते हुए परम आदर पूर्वक भगवान महेश का स्तवन करने लगे। वे प्रतिदिन मणिकर्णिका स्नान और विश्वनाथ दर्शन करने लगे। निर्वाण (मोक्ष) मंडप जो गर्भगृह के पास था, वहीं बैठकर शिष्यों को भगवान शिव और काशी की महिमा सुनाते थे। वे कहते थे- इस क्षेत्र में जो भी कर्म किया जाता है वह प्रलय कालमें भी नष्ट नहीं होता। अतः यहां केवल श्रेयकर्म करना चाहिये। काशी में कभी भी मर्म वचन नहीं बोलना चाहिए। यहाँ रहकर मरण की आकांक्षा, मोक्ष की आकांक्षा या शरीर शोषण उपाय को नहीं सोचना चाहिए। शरीर को प्रबल रखना चाहिये, जिससे स्नान और व्रत में विघ्न न आये। व्यासजी अपने दश हजार शिष्यों के साथ गंगा में त्रि-स्नान करके शिव जी की आराधना करते हुए काशी में काल व्यतीत करने लगे। भगवान शिव ने उनकी परीक्षा लेने का उपक्रम किया। उन्होंने महादेवी अन्नपूर्णा से कहा -- देवी, आप सर्वगते हैं। उसी भाव से सभी

में प्रविष्ट होकर व्यास को भिक्षा देने से मना कर दीजिए। व्यास जी को शिष्यों के साथ भिक्षा कहीं नहीं मिली। रात्रि में उपवास करना पड़ा। दूसरे दिन भी किसी ने उनके शिष्यों को और उन्हें भिक्षा नहीं दी। थके हारे व्यास जी ने दूसरे दिन। विचार किया - क्या कारण है जो भिक्षा नहीं मिल रही है। उन्होंने कतिपय शिष्यों को बुला कर कहा- तुम लोग जाकर भिक्षा न मिलने का कारण पता करो। आज दो दिन हो गये भिक्षा नहीं मिली। क्या काशी में अन्न क्षय हो गया है? क्या सभी नगरवासियों को राजदण्ड मिल गया है? क्या किसी ने ईर्ष्या से हमारे लोगों की भिक्षा बंद की है? क्या कोई गुप्त रोग फैल गया है? शिष्यों ने जाकर पता किया और आकर महर्षि से कहा कि न अन्न की कमी हुई है न कोई रोग और संकट ही उत्पन्न हुआ है। सभी के घर समृद्धि भरी पड़ी है। अलका नगरी की समृद्धि भी काशी के सामने न्यून है। यहां भोग और मोक्ष दोनों लक्ष्मी उपस्थित हैं। यहां विद्या, लक्ष्मी और मोक्ष का त्रिक फैला है।

विद्यानां चाश्रयः काशी
काशी लक्ष्म्याः परालयः ।
मुक्तिक्षेत्रमिदं काशी
काशी सर्वा त्रयीमयी ।। ९६/२३

भगवान स्कन्द अगस्त्य मुनि से कहते हैं -- शिष्यों के मुख से इतना सुनते ही व्यास जी क्रोधान्ध लोचन हो गये। उन्होंने भूख की अग्नि से पीड़ित होकर कहना आरम्भ किया। यहाँ के लोग विद्या, धन और मुक्ति के मद से ग्रस्त हैं। अतः मैं काशी को शाप देता हूँ। यहां काशी में लोगों की तीसरी पीढ़ी को विद्या ,धन और मुक्ति की प्राप्ति न हो। मा भूत त्रै पुरुषी विद्या मा भूत त्रै पुरुषं धनम् ।

मा भूत त्रै पुरुषी मुक्तिः काशीं
व्यासः शपन् इति।

शाप भी दिया और क्रोध पूर्वक भिक्षा मांगने भी निकले। फिर भी भिक्षा नहीं मिली तो क्रोध में भिक्षा पात्र को फेंक दिया। आश्रम लौटते समय एक दरवाजे पर एक स्त्री ने व्यास जी से कहाआजकल अतिथि नहीं मिलते। मेरे पति अतिथि सत्कार किये बिना भोजन नहीं करते। अतः आप शीघ्र मेरे घर भोजन हेतु पधारें। इतना सुनते ही व्यास जी का क्रोध शांत हो गया। (क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

अपनी-अपनी गंगा

एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा था। उसमें भाग लेने के लिए दूर-दूर से राजकुमार आए थे। राजकुमारी ने पूछा- यमराज क्यों मुस्कराए? जो इस सवाल का सटीक जवाब देगा, मैं उसी से विवाह करूंगी। तब राजकुमारी ने एक कथा सुनाई जो इस प्रकार थी- भारत के सुदूर दक्षिण में एक व्यक्ति था जो जीवन भर बुरे कार्यों में लगा रहा। जीवन के अंतिम वर्षों में उसकी मुलाकात एक ज्योतिषी से हुई जिसने उसे बताया कि वह अगले जन्म में घोर नरक में जाएगा। हां, इससे बचने का एक रास्ता भी है। अगर वह गंगा स्नान कर ले तो उसके पाप धुल सकते हैं। लेकिन गंगा तो उत्तर-पूर्व में बहती थी। उस समय यातायात के साधन बैलगाड़ी और घोड़े ही थे। फिर भी वह किसी तरह चल पड़ा।

कई दिनों तक चलते रहने के बाद वह काफी थक गया और अस्वस्थ भी हो गया। तभी अचानक उसे एक छोटी सी नदी मिली। उसने यह सोचकर कि यही गंगा है, उसी में स्नान कर लिया। लेकिन बाद में उसे पता चला कि यह कोई और नदी है। वह फिर आगे बढ़ चला कि तभी उसकी मृत्यु हो गई। वह यमलोक पहुंचा। यमराज ने चित्रगुप्त से उस व्यक्ति का लेखाजोखा पेश करने को कहा। चित्रगुप्त ने कहा-गंगा में स्नान करने के कारण इसके सारे पाप धुल गए हैं। इस पर उस व्यक्ति ने आपत्ति की- यह सच नहीं है। मैंने तो गंगा में स्नान किया ही नहीं।

इस पर यमराज मुस्कराए। कथा समाप्त कर राजकुमारी ने अपना प्रश्न दोहराया। सभी राजकुमार एक-दूसरे का मुंह देखने लगे। तभी कोने में बैठे एक साधारण से युवक ने इसका उत्तर दिया- ईश्वर बाहरी आडंबर को नहीं देखता। वह तो हृदय में झांककर देखता है। उस व्यक्ति ने भले ही किसी स्थानीय नदी में स्नान किया पर उसकी नजर में तो वह गंगा ही थी। वह मन से निर्दोष था। यह सुनकर राजकुमारी ने युवक के गले में वरमाला डाल दी।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कविता

तुम मुझे क्षमा करो

बहुत अंधी थीं मेरी प्रार्थनाएँ।
मुस्कुराहटें मेरी विवश
किसी भी चंद्रमा के चतुर्दिक
उगा नहीं पाई आकाश-गंगा
लगातार फूल-
चंद्रमुखी!
बहुत अंधी थीं मेरी प्रार्थनाएँ।
मुस्कुराहटें मेरी विकल
नहीं कर पाई तय वे पद-चिन्ह।
मेरे प्रति तुम्हारी राग-अस्थिरता,
अपराध-आकांक्षा ने
विस्मय ने-जिन्हें,
काल के सीमाहीन मरुथल पर
सजाया था अकारण, उस दिन
अनाधार।
मेरी प्रार्थनाएँ तुम्हारे लिए
नहीं बन सकीं
गान,
मुझे क्षमा करो।
मैं एक सच्चाई थी
तुमने कभी मुझको अपने पास नहीं बुलाया।
उम्र की मखमली कालीनों पर हम साथ नहीं चले
हमने पाँवों से बहारों के कभी फूल नहीं कुचले
तुम रेगिस्तानों में भटकते रहे
उगाते रहे फफोले
मैं नदी डरती रही हर रात!
तुमने कभी मुझे कोई गीत गाने को नहीं कहा।
वक़्त के सरगम पर हमने नए राग नहीं बोए-काटे
गीत से जीवन के सूखे हुए सरोवर नहीं पाटे
हमारी आवाज़ से चमन तो क्या
काँपी नहीं वह डाल भी, जिस पर बैठे थे कभी!
तुमने ख़ामोशी को इर्द-गिर्द लपेट लिया
मैं लिपटी हुई सोई रही।
तुमने कभी मुझको अपने पास नहीं बुलाया
क्योंकि, मैं हरदम तुम्हारे साथ थी,
तुमने कभी मुझे कोई गीत गाने को नहीं कहा
क्योंकि हमारी ज़िन्दगी से बेहतर कोई संगीत न था,
(क्या है, जो हम यह संगीत कभी सुन न सके!)
मैं तुम्हारा कोई सपना नहीं थी, सच्चाई थी

राजकमल चौधरी

ग़ज़ल

मोहब्बत के ये मौसम

आ जाओ मोहब्बत के ये मौसम न मिलेंगे
मौसम जो पलट आए तो फिर हम न मिलेंगे

इस तरह अगर ख़ून से खेली गई होली
ज़ख़्मों के लिए फिर कहीं मरहम न मिलेंगे

'आसी हूँ गुनहगार हूँ बख़्शिश का तलबगार
दफ़्तर मिरे 'इस्याँ के तुझे कम न मिलेंगे

दुनिया की हर इक शय वहाँ मिल जाएगी लेकिन
जन्नत में कभी हम को मगर ग़म न मिलेंगे

जिस दौर में एहसास के सीने पे लगें ज़ख़्म
इस दौर में ऐ 'दर्द' तुझे हम न मिलेंगे

दर्द सिरोंजी

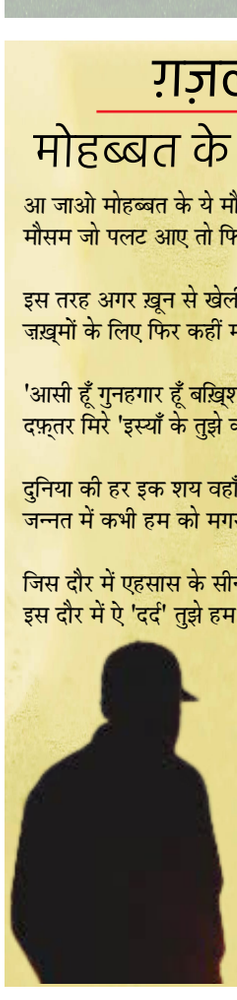

कहानी

चमड़े का अहाता

दीपक शर्मा

शहर की सबसे पुरानी हाइड-मार्किट हमारी थी। हमारा अहाता बहुत बड़ा था।

हम चमड़े का व्यापार करते थे।

मरे हुए जानवरों की खालें हम ख़रीदते और उन्हें चमड़ा बनाकर बेचते।

हमारा काम अच्छा चलता था।

हमारी ड्योढ़ी में दिन भर ठेलों व छकड़ों की आवाजाही लगी रहती। कई बार एक ही समय पर एक तरफ. यदि कुछ ठेले हमारे गोदाम में धूल-सनी खालों की लदानें उतार रहे होते तो उसी समय दूसरी तरफ़ तैयार, परतदार चमड़ा एकसाथ छकड़ों में दबवाया जा रहा होता।

ड्योढ़ी के ऐन ऊपर हमारा दुमंज़िला मकान था। मकान की सीढ़ियाँ सड़क पर उतरती थीं और ड्योढ़ी व अहाते में घर की औरतों व बच्चों का कदम रखना लगभग वर्जित था।

हमारे पिता की दो पत्नियाँ रहीं।

भाई और मैं पिता की पहली पत्नी से थे। हमारी माँ की मृत्यु के बाद ही पिता ने दूसरी शादी की थी।

सौतेली माँ ने तीन बच्चे जने परंतु उनमें से एक लड़के को छोड़कर कोई भी संतान जीवित न बच सकी।

मेरा वह सौतेला भाई अपनी माँ की आँखों का तारा था। वे उससे प्रगाढ़ प्रेम करती थीं। मुझसे भी उनका व्यवहार ठीक-ठाक ही था। पर मेरा भाई उनको फूटी आँख न सुहाता।

भाई शुरू से ही झगड़ालू तबीयत का रहा। उसे कलह व तकरार बहुत प्रिय थी। हम बच्चों के साथ तो वह तू-तू, मैं-मैं करता ही, पिता से भी बात-बात पर तुनकता और हुज़्ज़त करता। फिर भी पिता उसे कुछ न कहते। मैं अथवा सौतेला स्कूल न जाते या स्कूल का पढ़ाई के लिए न बैठते या रात में पिता के पैर न दबाते तो पिता से खूब घुड़की खाने को मिलती मगर भाई कई-कई दिन स्कूल से ग़ायब रहता और पिता फिर भी भाई को देखते ही अपनी जुबान अपने तालु के साथ चिपका लेते।

रहस्य हम पर अचानक ही खुला।

भाई ने उन दिनों कबूतर पाल रखे थे। सातवीं जमात में वह दो बार फेल हो चुका था और उस साल इम्तिहान देने का कोई इरादा न रखता था।

कबूतर छत पर रहते थे।

अहाते में खालों के खमीर व मांस के नुचे टुकड़ों की वजह से हमारी छत पर चीलें व कव्वे अकसर मँडराया करते।

भाई के कबूतर इसीलिए बक्से में रहते थे। बक्सा बहुत बड़ा था। उसके एक सिरे पर अलग-अलग खानों में कबूतर सोते और बक्से के बाकी पसार में वे उड़ान भरते, दाना चुगते, पानी पीते और एक-दूसरे के संग गुटर-गूँ करते।

भाई सुबह उठते ही अपनी कॉपी के साथ कबूतरों के पास जा पहुँचता। कॉपी में कबूतरों के नाम, मियाद और अंडों व बच्चों का लेखा-जोखा रहता।

सौतेला और मैं अकसर छत पर भाई के पीछे-पीछे आ जाते। कबूतरों के लिए पानी लगाना हमारे ज़िम्मे रहता। बिना कुछ बोले भाई कबूतरोंवाली खाली बाल्टी हमारे हाथ में थमा देता और हम नीचे हैंड पंप की ओर लपक लेते। उन्नीस सौ पचास वाले उस दशक में जब हम छोटे रहे, तो घर में पानी हैंड पंप से ही लिया जाता था।

गर्मी के उन दिनों में कबूतरों वाली बाल्टी ठंडे पानी से भरने के लिए सौतेला और मैं बारी-बारी से पहले दूसरी दो बाल्टियाँ भरते और उसके बाद ही कबूतरों का पानी छत पर लेकर जाते।

आज क्या लिखा? बाल्टी पकड़ाते समय भाई को टोहते।

कुछ नहीं, भाई अकसर हमें टाल देता और हम मन मसोसकर कबूतरों को दूर से अपलक निहारते रहते।

उस दिन हमारे हाथ बाल्टी लेते समय भाई ने बात खुद छेड़ी,

आज यह बड़ी कबूतरी बीमार हैं।

देखें, सौतेला और मैं खुशी से उछल पड़े।

ध्यान से, भाई ने बीमार कबूतरी मेरे हाथ में दे दी।

सौतेले की नज़र एक हट्टे-कट्टे कबूतर पर जा टिकी।

क्या मैं इसे हाथ में ले लूँ? सौतेले ने भाई से विनती की।

यह बहुत चंचल है, हाथ से निकलकर कभी भी बेकाबू हो सकता है।

मैं बहुत ध्यान से पकड़ूँगा।

भाई का डर सही साबित हुआ।

सौतेले ने उसे अभी अपने हाथों में दबोचा ही था कि वह छूटकर मुंडेर पर जा बैठा।

भाई उसके पीछे दौड़ा।

ख़तरे से बेख़बर कबूतर भाई को चिढ़ाता हुआ एक मुंडेर से दूसरी मुंडेर पर विचरने लगा।

तभी एक विशालकाय चील ने कबूतर पर झपटने का प्रयास किया।

कबूतर फुर्तीला था। पूरी शक्ति लगाकर फरार हो गया।

चील ने तेज़ी से कबूतर का अनुगमन किया।

भाई ने बढ़कर पत्थर से चील पर भरपूर वार किया, लेकिन ज़रा देर फड़फड़ाकर चील ने अपनी गति त्वरित कर ली।

देखते-देखते कबूतर और चील हमारी आँखों से ओझल हो गए।

ताव खाकर भाई ने सौतेले को पकड़ा और उसे बेतहाशा पीटने लगा।

घबराकर सौतेले ने अपनी माँ को पुकारा। सौतेली माँ फौरन ऊपर चली आईं। सौतेले की दुर्दशा उनसे देखी न गई।

इसे छोड़ दे, वे चिल्लाईं, नहीं तो अभी तेरे बाप को बुला लूँगी। वह तेरा गला काटकर तेरी लाश उसी टंकी में फेंक देगा।

किस टंकी में? भाई सौतेले को छोड़कर, सौतेली माँ की ओर मुड़ लिया।

मैं क्या जानूँ किस टंकी में?

हमारे अहाते के दालान के अंतिम छोर पर पानी की दो बड़ी टंकियाँ थीं। एक टंकी में नई आई खालें नमक, नौसागर व गंधक मिले पानी में हफ्तों फूलने के लिए छोड़ दी जाती थीं और दूसरी टंकी में ख़मीर उठी खालों को खुरचने से पहले धोया जाता था।

बोलो, बोलो, भाई ने ठहाका लगाया, तुम चुप क्यों हो गईं?

चल उठ, सौतेली माँ ने सौतेले को अपनी बाँहों में समेट लिया।

मैं सब जानता हूँ, भाई फिर हँसा, पर मैं किसी से नहीं डरता। मैंने एक बाघनी का दूध पिया है, किसी चमगीदड़ी का नहीं...

तुमने चमगीदड़ी किसे कहा? सौतेली माँ फिर भड़कीं।

चमगीदडी को चमगीदड़ी कहा है, भाई ने सौतेली माँ की दिशा में थूका, तुम्हारी एक नहीं, दो बेटियाँ टंकी में फेंकी गईं, पर तुम्हारी रंगत एक बार नहीं बदली। मेरी बाघनी माँ ने जान दे दी, मगर जीते-जी किसी को अपनी बेटी का गला घोंटने नहीं दिया...

तू भी मेरे साथ नीचे चल, खिसियाकर सौतेली माँ ने मेरी ओर देखा, आज मैंने नाश्ते में तुम लोगों के लिए जलेबी मँगवाई हैं...

जलेबी मुझे बहुत पसंद थीं, परंतु मैंने बीमार कबूतरी पर अपनी पकड़ बढ़ा दी।

तुम जाओ, सौतेली ने अपने आपको अपनी माँ की गलबाँही से छुड़ा लिया, हम लोग बाद में आएँगे। ठीक है, सौतेली माँ ठहरी नहीं, नीचे उतरते हुए कह गईं, जल्दी आ जाना। जलेबी ठंडा हो रही हैं। लड़कियों को टंकी में क्यों फेंका गया? मैं भाई के नज़दीक-बहुत नज़दीक जा खड़ा हुआ।

क्योंकि वे लड़कियाँ थीं।

लड़की होना क्या ख़राब बात है? सौतेले ने पूछा।

पिता जी सोचते हैं, लड़कियों की ज़िम्मेदारी निभाने में मुश्किल आती है। कैसी मुश्किल?

पैसे की मुश्किल। उनकी शादी में बहुत पैसा ख़र्च करना पड़ता है।

पर हमारे पास तो बहुत पैसा है, मैंने कहा।

पैसा है, तभी तो उसे बचाना ज़रूरी है, भाई हँसा।

माँ कैसे मरीं? मैंने पूछा। माँ के बारे में मैं कुछ न जानता था। घर में उनकी कोई तस्वीर भी न थी।

छोटी लड़की को लेकर पिता जी ने उससे खूब छीना-झपटी की। उन्हें बहुत मारा-पीटा। पर वे बहुत बहादुर थीं। पूरा ज़ोर लगाकर उन्होंने पिता जी का मुक़ाबला किया, पर पिता जी में ज़्यादा ज़ोर था। उन्होंने ज़बरदस्ती माँ के मुँह में माँ का दुपट्टा ठूँस दिया और माँ मर गईं।

तुमने उन्हें छुड़ाया नहीं?

मैंने बहुत कोशिश की थी। पिता जी की बाँह पर, पीठ पर कई चिकोटी भरीं, उनकी टाँग पर चढ़कर उन्हें दाँतों से काटा भी, पर एक ज़बरदस्त घूँसा उन्होंने मेरे मुँह पर ऐसा मारा कि मेरे दाँत नहीं बैठ गए...

पिता जी को पुलिस ने नहीं पकड़ा?

नहीं! पुलिस को किसी ने बुलाया ही नहीं।

वे कैसी थीं? मुझे जिज्ञासा हुई।

उन्हें मनकों का बहुत शौक था। मनके पिरोकर उन्होंने कई मूरतें बनाईं। बाज़ार से उनकी पसंद के मनके मैं ही उन्हे लाकर देता था।

उन्हें पंछी बहुत अच्छे लगते थे? सौतेले ने पूछा, सभी मूरतों में पंछी ही पंछी हैं। घर की लगभग सभी दीवारों पर मूरतें रहीं।

हाँ। कई मोर... कई तोतों में अक्ल भी होती है और वफ़ादारी भी... कबूतरों की कहानियाँ उन्हें बहुत आती थीं।

मैं वे कहानियाँ सुनूँगा, मैंने कहा।

मैं भी, सौतेले ने कहा।

पर उन्हें चमड़े से कड़ा बैर था। दिन में वे सैंकड़ों बार थूकतीं और कहतीं, इस मुए चमड़े की सडाँध तो मेरे कलेजे में आ घुसी है, तभी तो मेरा कलेजा हर वक्त सड़ता रहता है...

मुझे भी चमड़ा अच्छा नहीं लगता, सौतेले ने कहा।

बड़ा होकर मैं अहाता छोड़ दूँगा, भाई मुस्कराया, दूर, किसी दूसरे शहर में चला जाऊँगा। वहाँ जाकर मनकों का कारखाना लगाऊँगा...

उस दिन जलेबी हम तीनों में से किसी ने न खाईं।

लघुकथा

पागल

खलील ज़िब्रान

आप मुझसे पूछते हैं कि मैं पागल कैसे हुआ? यह सब तरह हुआ, एक दिन मैं गहरी नींद से जागा तो देखा कि मेरे सभी मुखौटे चोरी हो गए थे, वे सभी सात मुखौटे, जिन्हें मैंने सात जीवन जीते हुए बड़े शौक से पहना था। मैं पहली बार बिना किसी मुखौटे के भीड़ -भरी गलियों में चिल्लाता हुआ दौड़ पड़ा, ''चोर! चोर! चोट्टे!!''

आदमी, औरतें मुझे देखकर हँसने लगे और कुछ तो मारे डर के घरों में जा घुसे।

जब मैं भरे बाजार में पहुँचा तो एक युवक छत पर से चिल्लाया,''पागल है!'' मैंने उसकी ओर देखा तो सूर्य ने पहली बार मेरे नंगे चेहरे को चूमा और मेरी आत्मा सूर्य के प्रेम से अनुप्राणित हो उठी। अब मुझे अपने मुखौटों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। मैं स्तब्ध सा चिल्ला पड़ा, ''भला हो! मेरे मुखौटे चुराने वालों का भला हो!''

इस तरह मैं पागल बन गया।

अपने इस पागलपन में मुझे आजादी और सुरक्षा दोनों ही महसूस हुई–अकेलेपन की आजादी और दूसरों द्वारा समझे जाने से सुरक्षा ; क्योंकि जो लोग हमारी कमजोरियों को जान जाते हैं, वे हमारे भीतर किसी न किसी अंश को गुलाम बना लेते हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष आज दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी।

वृष किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

मिथुन व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है।

कर्क कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी।

सिंह तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है।

कन्या यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं।

तुला अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

धनु कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

मकर परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है।

कुंभ व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है।

मीन नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। आज किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

खोई वस्तु के विषय में हासिल करें जानकारी

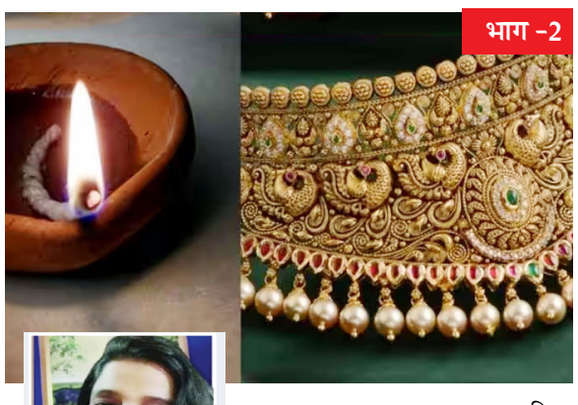

भाग -2

ज्योतिष वाकई एक शास्त्र से बढ़कर विज्ञान है, जिसमें प्रत्येक प्रश्न का उत्तर समाया हुआ है। चोरी गई वस्तु मिलेगी या नहीं मिलेगी। मिलेगी तो कब तक मिलेगी इस बात तक का पता ज्योतिष शास्त्र के जरिए लगाया जा सकता है।

ज्योतिष के अनुसार अलग-अलग नक्षत्रों में चोरी गई वस्तुओं के मिलने या न मिलने का अलग-अलग परिणाम होता है। जिस समय हमें अपनी चोरी गई वस्तु का पता लगे उस समय के नक्षत्र या अंतिम बार आपने फलां वस्तु को किस वक्त देखा था, उस समय के नक्षत्र के अनुसार चोरी गई वस्तु का विचार किया जाता है।

आइये जानते हैं किस नक्षत्र का क्या परिणाम होता है:

◆रोहिणी, पुष्य, उत्तरा फाल्गुनी, विशाखा, पूर्वाषाढ़ा, धनिष्ठा और रेवती को ज्योतिष में अंध नक्षत्र माना गया है। इन नक्षत्रों में चोरी होने वाली वस्तु पूर्व दिशा में जाती है और जल्दी मिल जाती है। इन नक्षत्रों में यदि कोई वस्तु चोरी हुई है तो वह अधिक दूर नहीं जाती है उसे आसपास ही तलाशना चाहिए।

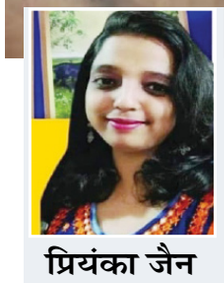

प्रियंका जैन
9769994439

◆मृगशिरा, अश्लेषा, हस्त, अनुराधा, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा, अश्विनी ये मंद नक्षत्र कहे गए हैं। इन नक्षत्रों में यदि कोई वस्तु चोरी होती है तो वह तीन दिन में मिलने की संभावना रहती है। इन नक्षत्रों में गई वस्तु दक्षिण दिशा में प्राप्त होती है। साथ ही वह वस्तु रसोई, अग्नि या जल के स्थान पर छुपाई होती है।

◆आर्द्रा, मघा, चित्रा, ज्येष्ठा, अभिजीत, पूर्वाभाद्रपद, भरणी ये मध्य लोचन नक्षत्र होते हैं। इन नक्षत्रों में चोरी गई वस्तुएं पश्चिम दिशा में मिल जाती हैं। वस्तु के संबंध में जानकारी 64 दिनों के भीतर मिलने की संभावना रहती है। यदि 64 दिनों में न मिले तो फिर कभी नहीं मिलती। इस स्थिति में वस्तु के अत्यधिक दूर होने की जानकारी भी मिल जाती है, लेकिन मिलने में संशय रहता है।

◆पुनर्वसु, पूर्वाफाल्गुनी, स्वाति, मूल, श्रवण, उत्तराभाद्रपद, कृतिका को सुलोचन नक्षत्र कहा गया है। इनमें गई वस्तु कभी दोबारा नहीं मिलती। वस्तु उत्तर दिशा में जाती है, लेकिन पता नहीं लगा पाता कि कहां रखी गई है या आप कहां रखकर भूल गए हैं। भद्रा, व्यतिपात और अमावस्या में गया धन प्राप्त नहीं होता।

प्रश्नः लग्न के अनुसार भी चोरी गई वस्तु के संबंध में विचार किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति चोरी गई वस्तु के संबंध में जानने के लिए आए और प्रश्न करे तो जिस समय वह प्रश्न करे उस समय की लग्न कुंडली बना लेना चाहिए। या जिस समय वस्तु चोरी हुई है उस समय गोचर में जो लग्न चल रहा था उसके अनुसार फल कथन किया जाता है।

खबर संक्षेप

कोचिंग पढ़कर लौटते समय नदी में नहाने गया किशोर, गहरे पानी में जाने से गई जान

जौनपुर। जौनपुर जिले के मछलीशहर के कोटवा गांव स्थित नदी के पुल पर छात्र की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों में चीख- पुकार मच गई। वहीं पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुटी। शिवम यादव (15) पुत्र महेंद्र यादव निवासी बसदूआ, जमूहर बाजार से कोचिंग क्लास करके लौट रहा था। इसी दौरान जंघई मार्ग पर कोटवा के पास नदी में स्नान करने लगा। जिससे गहरे पानी में जाने से डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव की तलाश में जुटी। घंटों मशक्कत के बाद भी खबर लिखे जाने तक शव बरामद नहीं हो सका। शिवम तीन बहनों का इकलौता भाई था। घटना से परिवार में कोहराम मचा है।

बिहार के पूर्व मंत्री वृषिण पटेल को पोक्सो मामले में हाइकोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

पटना। बिहार के पूर्व मंत्री वृषिण पटेल को गुरुवार को हाइकोर्ट से बड़ी राहत मिली। हाइकोर्ट ने मुजफ्फरपुर के एक नाबालिग लड़की से दो वर्ष तक बलात्कार करने के आरोप में अभियुक्त बनाये गये पूर्व मंत्री वृषिण पटेल को अग्रिम जमानत दे दी । न्यायाधीश राजेश वर्मा की एकल पीठ ने वृषिण पटेल द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर अधिवक्ता अजय ठाकुर और कौशल किशोर को सुनने के बाद यह आदेश दिया । पूर्व मंत्री पर मुजफ्फरपुर की एक नाबालिग लड़की ने नौकरी देने के नाम पर मुजफ्फरपुर से पटना बुलाने तथा शोषण करने का आरोप लगाया है।इस मामले को लेकर उक्त लड़की द्वारा एक परिवाद पत्र मुजफ्फरपुर के पॉक्सो कोर्ट में दायर किया गया । इस मामले में पॉक्सो कोर्ट ने श्री पटेल के खिलाफ संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी कर कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

बोकारो के देवघर नाला में चेक डैम का हुआ निर्माण

बोकारो: बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड अंतर्गत लुगु पहाड़ स्थित टुटी झरना गांव के समीप देवघर नाला में वन विभाग ने चेक डैम का निर्माण करा दिया है। जिसकी लागत 8।50 लाख रुपये बतायी जा रही है। इससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि चेक डैम की ऊंचाई काफी कम है। वन विभाग अगर इसकी ऊंचाई दो से तीन फीट और कर देता तो आसपास के दर्जनों आदिवासी परिवारों को इससे बड़ी राहत मिलती। इससे खेतों की सिंचाई आसानी से हो पाती।

नवरात्र के पहले दिन सीएम योगी ने महिलाओं को दी बड़ी सौगात

पिंक बस टॉयलेट का किया लोकार्पण

एजेंसी । गोरखपुर

गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन सिविल लाइंस स्थित पार्क रोड पर पिंक बस टॉयलेट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के वाहनों, सीवेज सफाई की अत्याधुनिक मशीनों, बैंडीकोट रोबोट और विदेश से मंगाई गई डी-वॉटरिंग फीकल स्लज सेफ्टी मशीन को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने नवरात्र दुर्गोत्सव के उपलक्ष्य में स्वच्छ पंडाल पोस्टर को विमोचन भी किया। पिंक बस टॉयलेट का फीता काटकर लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंदर जाकर इसका अवलोकन-निरीक्षण किया। सीएम योगी ने व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पिंक बस टॉयलेट के पिछले हिस्से में बने कैफे का भी उद्घाटन किया। इस कैफे का संचालन करने वाली महिलाओं से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया। नगर निगम की तरफ से सिविल लाइंस क्षेत्र में इस पिंक बस टॉयलेट की शुरुआत होने के साथ इसकी संख्या दो हो गई है। इसके पहले एक पिंक टॉयलेट रामगढ़ताल रोड पर बुद्धा गेट के आगे पहले से ही क्रियाशील है।

कैफे में मिलेंगे खानपान के कई तरह के सामान

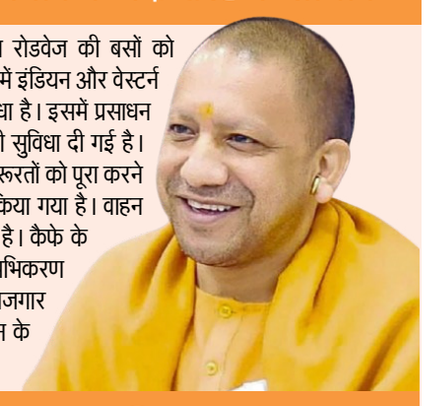

पिंक बस टॉयलेट को कबाड़ घोषित रोडवेज की बसों को मोडिफाइड करके बनाया गया है। इसमें इंडियन और वेस्टर्न टॉयलेट, वॉश बेसिन, आदि की सुविधा है। इसमें प्रसाधन संबंधी सुविधाओं के साथ कैफे की भी सुविधा दी गई है। पिंक बस टॉयलेट में बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सोलर सिस्टम भी इंस्टाल किया गया है। वाहन के पिछले हिस्से में कैफे बनाया गया है। कैफे के संचालन से जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के माध्यम से महिलाओं को रोजगार से भी जोड़ा गया है। कैफे में खानपान के कई तरह सामान मिलेंगे।

और सुदृढ़ होगी महानगर की सफाई व्यवस्था

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सफाई वाहनों हरी झंडी दिखाए जाने के साथ ही महानगर की सफाई व्यवस्था अब और भी सुदृढ़ हो जाएगी। सीएम योगी ने नगर निगम के सफाई बेड़े के शामिल डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की 12 छोटी गाड़ियों, दो बड़ी गाड़ियों को रवाना किया। साथ ही उन्होंने करीब छह करोड़ रुपये की लागत वाली डी-वॉटरिंग फीकल स्लज सेफ्टी मशीन को भी हरी झंड़ी दिखाई। इसकी मदद से तंग गलियों में सेफ्टी टैंक की सफाई कर मशीन में ही डी-वॉटरिंग कर स्लज और सीवेज के जल को अलग कर देता है। उसके बाद जल को शोधित कर सीधे ही नदी या तालाब में डाला जा सकता है। मुख्यमंत्री ने करीब 50 लाख रुपये की लागत वाले बैंडीकोट रोबोट का भी लोकार्पण किया। मेनहोल दूर से संचालित रोबोट से सफाई मजदूरों को खतरनाक और तंग सीवर पाइपों में प्रवेश करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

14 मंदिरों से साईं बाबा की मूर्तियां उखाड़ गंगा में बहाने का दावा

पूजा के दिन गुरुवार को अजय शर्मा गिरफ्तार

एजेंसी । वाराणसी

वाराणसी के 14 मंदिरों से शिरडी के साईं बाबा की मूर्तियां उखाड़कर गंगा नदी में प्रवाहित करने का दावा करने वाले हिन्दूवादी नेता और केंद्रीय ब्राह्मण सभा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा को यूपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अजय शर्मा को पुलिस वाराणसी कोर्ट लेकर गई है और संभावना है कि अगर पुलिस पूछताछ के लिए कस्टडी नहीं मांगती है तो अजय शर्मा को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया जाए। संयोग देखिए कि साईं बाबा की मूर्तियों के खिलाफ अभियान का नेतृत्व कर रहे अजय शर्मा को पुलिस ने गुरुवार के दिन हिरासत में लिया है जिसे साईं भक्त बाबा की

पूजा के लिए सबसे शुभ मानते हैं। अजय शर्मा के खिलाफ शाम तक दो केस दर्ज हो चुका है। सोशल मीडिया पर अजय शर्मा का प्रतिमाओं को बहाने का दावा करने वाला बयान और मंदिर से साईं बाबा की मूर्ति को कपड़ों से ढंककर निकालकर ले जा रहे लोगों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। शर्मा के वीडियो के आधार और अनादमयी मंदिर के महंत की तहरीर पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों के आदेश पर चितईपुर पुलिस ने ऐक्शन लेकर अजय शर्मा को हिरासत में ले लिया है। हिरासत में लेकर पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए अजय को कोर्ट ले गई है। शर्मा ने दो दिन पहले काशी के 14 मंदिरों से साईं बाबा की प्रतिमाएं गंगा नदी में बहाने का दावा करते हुए वीडियो जारी किया था। साईं भक्तों ने इसका विरोध किया है। अजय शर्मा ने जारी वीडियो में कहा था कि साईं बाबा की जगह पर देवी लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित की जाएगी। शर्मा ने दावा किया कि सनातन धर्म में प्रेत पूजा मान्य नहीं है और मंदिरों में जो साईं बाबा की मूर्ति थी वो प्रेत मूर्ति थी। उन्होंने दावा किया था कि मूर्तियों को गंगा में प्रवाहित कर बाबा को मुक्ति दे दी गई है।

अजय शर्मा के खिलाफ एक और मुकदमा, साईं मंदिर के पुजारी ने दी है तहरीर

सरकार की सख्ती के बाद अजय शर्मा पर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। अब अजय शर्मा के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हो गया है। मलदहिया स्थित साईं बाबा मंदिर के पुजारी ने एक तहरीर सिगरा थाने में देकर मंदिर से साईं बाबा की प्रतिमा जबर्दस्ती हटवाने का आरोप लगाया है। शर्मा पर धार्मिक भावनाएं आहत करने, तोड़फोड़ और अफवाह फैलाने का आरोप लगा है।

पूर्व प्रधान की हत्या में नामजद दो आरोपी हुए गिरफ्तार

एजेंसी । आजमगढ़

अहरौला के आलमपुर गांव में रविवार रात पूर्व प्रधान श्रीराम चौहान की हत्या के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसी के साथ अब तक पांच लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। वहीं पांच अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छह टीमें लगी हैं। तीसरे दिन परिजनों ने पूर्व प्रधान श्रीराम चौहान का अंतिम संस्कार किया। पूर्व प्रधान के पुत्र ने प्रधान पति सहित 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया। गिरफ्तारी के लिए एसपी छह टीमें लगाई है। पुलिस ने मंगलवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसमें अभिषेक, चंचल और जयसिंह शामिल हैं। अब तक कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। बाकी के पांच अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में पुलिस की छह टीमें लगी है।

"पूर्व प्रधान की हत्या के मामले में प्रधान पति रामसेवक चौहान का लाइसेंसी असलहा को जब्त कर लिया गया है। अब तक प्रधान पति रामसेवक, धर्मेंद्र, अभिषेक, चंचल व जयसिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है। पांच आरोपियों की तलाश अभी जारी है। बहुत जल्द ही उनकी भी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

- चिराग जैन, एसपी ग्रामीण आजमगढ़

बेगूसराय जेल में हुई थी युवक की मौत

सीएम नीतीश ने दिया जांच का आदेश

एजेंसी । बखरी

बखरी के घाघरा पंचायत के एक युवक की बीते दिनों बेगूसराय जेल में ही संदेहास्पद मौत हो गयी।वही मौत के बाद परिवार को बिना सूचना दिए शव का पोस्टमार्टम करा उसे घर भेजने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जांच का आदेश दिया हैं।

CM नीतीश ने दिया उच्च स्तरीय जांच का आदेश

वहीं, पूर्व सांसद ने पूरे मामले में जेल सुप्रीटेंडेंट पर सिवालिया निशान उठाया है। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान बताया कि इस मामले को लेकर बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान मुख्यमंत्री से मुलाकात कर बेगूसराय जेल सुप्रीटेंडेंट के इस रवैया से अवगत कराकर उच्च स्तरीय जांच की मांग किए थे।विधायक के अपील पर मुख्यमंत्री ने जेल में मौत का उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिये हैं। पूर्व सांसद ने बिहार में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा की बिहार के अंदर अपराधिक घटना चरम पर है।अब जेल के अंदर भी वहा के अधिकारियों के मिलीभगत से किसी की हत्या हो जा रही है।यह काफी विचारणीय विषय है।बाहर तो लोग असुरक्षित हैं ही अब जेल में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं।

कुख्यात ज्वेलरी दुकान लुटेरे सोनू और मोनू गिरफ्तार

3 किलो सोना और 7 किलो चांदी बरामद

एजेंसी । रांची

झारखंड का कुख्यात ज्वेलरी लुटेरा सोनू और मोनू सोनी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। दरअसल छत्तीसगढ़ पुलिस ने दोनों लुटेरों को दिल्ली के पहाड़गंज इलाके से गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज में 6 करोड़ का सोना और चांदी लूट लिया था। ये दोनों ने पलामू, गढ़वा, गुमला, रांची के कई गहनों की दुकानों में डाका डाला था। झारखंड पुलिस को भी इन दोनों भाइयों की लंबे समय से तलाश थी। झारखंड पुलिस ने भी 50-50 हजार का इनाम घोषित किया था। छत्तीसगढ़ पुलिस को गहनों की एक दुकान में लूट के मामले में दोनों भाइयों की तलाश थी।

1261 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा दरभंगा एम्स

एजेंसी । दरभंगा

आखिरकार लंबे सयय बाद ही सही बिहार को दरभंगा एम्स के रूप में अपना दूसरा एम्स मिलने जा रहा है।पिछले दिनों बिहार सरकार के स्वास्थय मंत्री मंगल पांडे की मौजूदगी में नीतीश सरकार ने केंद्र सरकार को शहर में 188 एकड़ भूमि सौंप दी।जमीन मिलते ही केंद्र सरकार ने इस परियोजना के निर्माण का जिम्मा एनबीसीसी लि।की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एचएससीसी इंडिया लिमिटेड सौंप दिया है।इसके लिए मोदी सरकार ने फिलहाल 1261 करोड़ रुपये का बजट भी जारी कर दिया है।

36 महीने में पूरा होगा निर्माण कार्य

राज्य सरकार द्वारा जमीन उपलब्ध कराए जाने के बाद से ही एम्स के निर्माण कार्य में तेजी देखी जा रही है।निर्माण कार्य का जिम्मा मिलने के बाद कंपनी की तरफ से बताया गया कि एम्स निर्माण के पहले चरण में आवंटित जमीन में से 2।25 लाख वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में एम्स के भवनों का निर्माण होगा।इस पूरी परियोजना को 36 महीने यानी तीन वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।वहीं, स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक दरभंगा एम्स को अत्याधुनिक स्वास्थ्य देखभाल संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा।

व्यापार जगत

सेंसेक्स 1,769 अंक गिरकर 82,497 पर बंद

निफ्टी भी 546 अंक फिसला, निवेशकों की वेल्थ ₹10.7 लाख करोड़ घटी

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 3 अक्टूबर को साल की चौथी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 1,769 अंक (2.10%) की गिरावट के साथ 82,497 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 546 अंक (2.12%) की गिरावट रही, ये 25,250 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बिकवाली से निवेशकों की वेल्थ 10.7 लाख करोड़ रुपए घट गई। गुरुवार, 3 अक्टूबर को BSE पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 465 लाख करोड़ रुपए रहा गया। 1 अक्टूबर को यह लगभग 475 लाख करोड़ रुपए था। निवेशकों की वेल्थ 10.7 लाख करोड़ घट गई।

टॉप गेनर और लूजर

ऑटो,एनर्जी, फाइनेंस और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। BPCL, श्रीराम फाइनेंस और L&T के शेयर्स में 4% से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। ये निफ्टी के टॉप लूजर रहे। वहीं JSW स्टील का शेयर 1.33% की तेजी के साथ निफ्टी टॉप गेनर रहा।

बाजार में गिरावट के 3 कारण

- ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट में निगेटिव सेंटिमेंट है। इसी का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है।
- भारतीय शेयर बाजार के मौजूदा वैल्यूएशन बढ़े हुए हैं। खासकर मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में। बाजार में इस कारण अच्छा-खासा करेक्शन दिख सकता है।
- अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है।

गरुड़ कंस्ट्रक्शन का आईपीओ 8 अक्टूबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 92-95 रुपए प्रति शेयर

एजेंसी । नई दिल्ली

गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार, 08 अक्टूबर को खुलेगा। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 92-95 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी इस इश्यू के जरिए 264.10 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। कंपनी ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि उसका आईपीओ 08 अक्टूबर को निवेश के लिए खुलेगा। निवेशक गुरुवार, 10 अक्टूबर इस आईपीओ के लिए तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के मुताबिक 5 रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर कि लिए 92 से 95 रुपए का प्राइस बैंड तय किया गया है। कंपनी के शेयर 15 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे।

264.10 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है कंपनी

गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड ने कहा कि इस इश्यू के जरिए कंपनी 264.10 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 173.85 करोड़ रुपए के 18,300,000 फ्रेश शेयर इश्यू जारी कर रही है। वहीं, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 90.25 करोड़ रुपए के 9,500,000 शेयर बेच रहे हैं। इसमें न्यूनतम बोली लॉट 157 इक्विटी शेयर है। उल्लेखनीय है कि ग्रोइंग सिविल कंस्ट्रक्शन गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2010 में हुई थी, जो एक कंस्ट्रक्शन कंपनी है।

हुंदै का आईपीओ 14 को आने की संभावना

एजेंसी । नई दिल्ली

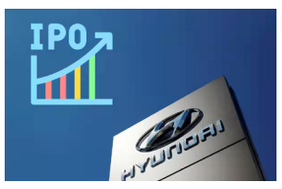

दक्षिण कोरिया की वाहन कंपनी हुंदै की भारतीय इकाई हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड का 25,000 करोड़ रुपए का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 अक्टूबर को आ सकता है। यह भारत का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अभी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की 21,000 करोड़ रुपए की शेयर बिक्री को सबसे बड़ा आईपीओ माना जाता है। जापान की वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी के 2003 में सूचीबद्ध होने के बाद दो दशक में पहली बार कोई वाहन विनिर्माता कंपनी आईपीओ ला रही है। हुंदै ने जून में सेबी के समक्ष आईपीओ की मंजूरी के लिए आवेदन किया था। उसे सेबी से आईपीओ लाने की मंजूरी 24 सितंबर को मिली थी।

25,000 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश

आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, यह निर्गम पूरी तरह से प्रवर्तक हुंदै मोटर कंपनी द्वारा 14,21,94,700 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसमें कोई नए शेयर नहीं जारी किए जाएंगे। सूत्रों ने पहले बताया था कि दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता कंपनी आरंभिक शेयर बिक्री के जरिये कम से कम तीन अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 25,000 करोड़ रुपए) जुटाने की कोशिश कर रही है।

सेबी ने इनविट के लेनदेन लॉट का आकार घटाया

एजेंसी । नई दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों की भागीदारी और निवेश साधनों की तरलता बढ़ाने के लिए निजी तौर पर रखे गए ढांचागत निवेश ट्रस्ट (इनविट) के लेनदेन आकार में बड़ी कटौती करते हुए इसे 25 लाख रुपए कर दिया है। निजी तौर पर रखे गए इनविट्स के लिए शेयर बाजार में लेनदेन के लिए मौजूदा लॉट एक करोड़ रुपये निर्धारित है। अगर इनविट अपनी संपत्ति के मूल्य का कम-से-कम 80 प्रतिशत हिस्सा पूर्ण और राजस्व अर्जित करने वाली संपत्तियों में निवेश करता है, तो फिर लेनदेन का लॉट दो करोड़ रुपये है। सेबी ने 26 सितंबर की अपनी अधिसूचना में कहा है कि निर्दिष्ट शेयर बाजार पर इकाइयों के व्यापार

के उद्देश्य से ट्रेडिंग लॉट 25 लाख रुपए होगा। यह निर्णय उसी दिन से प्रभावी हो गया है। इस कदम से निजी तौर पर रखी गई इनविट इकाइयों की तरलता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे निवेशकों के व्यापक आधार को बाजार में भाग लेने और निवेश पोर्टफोलियो के विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा। सेबी ने अपनी अलग-अलग अधिसूचनाओं में अनुपालन बोझ कम करने और कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए इनविट्स और रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट्स) से संबंधित अपने नियमों में संशोधन किया है।

पीएनबी का तिमाही में कर्ज वितरण 13 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में ऋण वितरण 13 प्रतिशत बढ़कर 10.64 लाख करोड़ रुपए हो गया। पीएनबी ने बताया कि 30 सितंबर, 2023 के अंत तक बैंक का कुल अग्रिम 9.41 लाख करोड़ रुपए था। उसकी कुल जमा राशि 11.41 प्रतिशत बढ़कर 14.59 लाख करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही के अंत में यह 13.09 लाख करोड़ रुपए थी। बैंक का कुल कारोबार 30 सितंबर, 2023 के अंत के 22.51 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 12 प्रतिशत बढ़कर 25.23 लाख करोड़ रुपए हो गया।

रुपया 14 पैसे टूटकर 83.96 प्रति डॉलर पर

एजेंसी । मुंबई

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 14 पैसे टूटकर 83.96 (अस्थायी) पर बंद हुआ। घरेलू मुद्रा में भारी गिरावट अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और घरेलू शेयर बाजार में दो प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट के कारण हुई। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के अनुसार, मजबूत अमेरिकी मुद्रा तथा चीन के बाजारों में तेजी से विदेशी कोषों की निकासी से रुपये की धारणा कमजोर हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.91 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 83.97 प्रति डॉलर के दिन के निचले स्तर को छूने के बाद कारोबार के अंत में 14 पैसे की गिरावट के साथ 83.96 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ।

अडानी समूह, गूगल स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में करेंगे सहयोग

एजेंसी । नई दिल्ली

गूगल और अडानी समूह ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग की गुरुवार को घोषणा की। इससे दोनों के सामूहिक स्थिरता लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और भारतीय ग्रिड में अधिक स्वच्छ ऊर्जा जोड़ने में मदद मिलेगी। गूगल ने यहां 'गूगल फॉर इंडिया' कार्यक्रम में इसकी घोषणा की, जबकि अडानी समूह ने बयान में इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी। यह नवोन्मेषी सहयोग भारत में 'क्लाउड' सेवाओं तथा परिचालन को स्वच्छ ऊर्जा द्वारा समर्थित कर गूगल के चौबीसों घंटे कार्बन-मुक्त ऊर्जा लक्ष्य को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

हरमनप्रीत की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत से करना चाहेगी शुरुआत

कप्तान को रोहित की तरह आगे बढ़कर संभालना होगा मोर्चा

भारत की निगाह पहले विश्व कप पर

नंबर गेम

- 4 मुकाबले विश्व कप में दोनों ने खेले हैं जिसमें दो भारत और दो न्यूजीलैंड ने जीते हैं
- 14 साल से विश्व कप में भारत को हरा नहीं पाया है न्यूजीलैंड। पिछली बार 2010 में मात दी थी
- 2 हजार रन टी-20 में पूरे करने से शेफाली वर्मा 52 रन दूर हैं
- 5 सौ चौके फटाफट क्रिकेट में पूरे करने के लिए मंधाना को 29 चौके चाहिए

एजेंसी | दुबई

भारत टीम शुक्रवार को महिला टी-20 विश्व कप के ग्रुप ए में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान का आगाज करना चाहेगी। भारतीय टीम की निगाह अपने पहले विश्व कप खिताब पर है। हरमनप्रीत कौर की टीम इस बार ट्रॉफी के करीब आकर चूकना नहीं चाहेगी। इसके लिए खुद हरमनप्रीत को रोहित शर्मा की तरह मोर्चा संभालना होगा। उन्हें बल्ले से रन बनाकर साथियों को प्रेरित करना होगा।

पिछली बार टीम सेमीफाइनल में और 2020 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। अतीत की तरह यह भारतीय टीम भी प्रतिभा से भरपूर है। संभवतः सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के पास ही इतनी अच्छी टीम है। लेकिन मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के पास छह टी-20 विश्व कप खिताब हैं। न्यूजीलैंड दो बार का उप विजेता है। उनके खिलाफ जीत को रणनीतिक और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में होने का संकेत माना जा सकता है। भारत के लिए जीत के साथ शुरुआत करना महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और पाकिस्तान भी हैं। भारत को युवा ओपनर शेफाली वर्मा और मंधाना से अच्छी शुरुआत की उम्मीद है। दोनों खिलाड़ी लंबे-लंबे शॉट खेलने में माहिर हैं और शानदार फॉर्म में चल रही हैं। शेफाली पिछले साल इस टूर्नामेंट में कुछ खास नहीं कर पाईं थी पर इस बार वह टीम की जीत में योगदान देने को बेताब होंगी। मंधाना ने पिछली पांच पारियों में तीन अर्द्धशतक जड़े हैं।

आज के मैच

द. अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज
› **दोपहर 3:30 बजे**
भारत बनाम न्यूजीलैंड
› **शाम 7:30 बजे**

आमने-सामने

कुल मैच :	13
भारत जीता :	4
न्यूजीलैंड जीता :	9

इन पर रहेंगी निगाह

शेफाली वर्मा
81 मैच, 1948 रन, 130.56 स्ट्राइक रेट, 10 अर्धशतक, 60 छक्के

स्मृति मंधाना
141 मैच, 3493 रन, 122.51 स्ट्राइक रेट, 26 अर्धशतक, 68 छक्के

जेमिमा रोड्रिग्ज
100 मैच, 2074 रन, 114.26 स्ट्राइक रेट, 11 अर्धशतक, 18 छक्के

हरमनप्रीत कौर
173 मैच, 3426 रन, 73.65 स्ट्राइक रेट, 12 अर्धशतक, 32 विकेट

दीप्ति शर्मा
117 मैच, 1020 रन, 104.29 स्ट्राइक रेट, 2 अर्धशतक, 131 विकेट

मैडी ग्रीन
100 मैच, 1074 रन, 99.90 स्ट्राइक रेट, 00 अर्धशतक, 15 छक्के

इजी गेज
26 मैच, 189 रन, 103.27 स्ट्राइक रेट, 01 अर्धशतक, 02 छक्के

सूजी बेटस
165 मैच, 4434 रन, 108.99 स्ट्राइक रेट, 28 अर्धशतक, 58 विकेट

सोफी डिवाइन
137 मैच, 3277 रन, 121.46 स्ट्राइक रेट, 20 अर्धशतक, 117 विकेट

अमेलिया केर
79 मैच, 1161 रन, 111.10 स्ट्राइक रेट, 0 अर्धशतक, 78 विकेट

हरमनप्रीत को दिखाना होगा दम

संभवत: अपना आखिरी टी-20 विश्व कप खेलने वाली हरमनप्रीत भी बल्ले के साथ ही गेंद से भी दम दिखाना चाहेंगी। हालांकि उनका प्रदर्शन कुछ निराशाजनक रहा है। उनका लय में होना भारत के शीर्ष और मध्य क्रम के लिए जरूरी है। यह भारत की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भीषण गर्मी के बीच शायद यूएई की पिचों पर रनों की भरमार नहीं हो, विशेषकर टूर्नामेंट के अंत में।

दीप्ति की चलेगी फिरकी

27 साल की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शानदार फॉर्म में हैं। वह अपनी फिरकी पर बल्लेबाजों को नचाने के साथ ही बल्ले से भी उपयोगी साबित हो रही हैं। यहां की पिचें स्पिनरों के मददगार होने की उम्मीद है। ऐसे में दीप्ति के साथ ही युवा ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल, लेग स्पिनर आशा शोभना और बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की फिरकी का जादू चल सकता है। टीम में सिर्फ तीन तेज गेंदबाज रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और अरुंधति रेड्डी हैं।

इंटर मिलान ने मेजर लीग सॉकर स्पोर्ट्स शील्ड जीती

- 17 गोल मेसी ने लीग के 17 मैच में किए और 15 में मदद की
- 68 अंक इंटर मिलान के 20 जीत, चार हार, आठ ड्रॉ से रहे

एजेंसी | कोलंबस

दिग्गज स्ट्राइकर लियोनल मेसी ने अपने खजाने में एक और नगीना शामिल कर लिया है। इंटर मिलान के स्टार फॉरवर्ड ने बुधवार को यहां गत चैंपियन कोलंबस क्रू को 3-2 से हराकर मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) स्पोर्ट्स शील्ड पर कब्जा तय कर लिया। मेसी की यह 46वीं ट्रॉफी है जो उन्होंने अपने क्लब या देश के लिए जीती है।

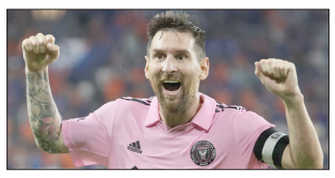

रिकॉर्ड बनाने की ओर

इस जीत के बाद इंटर मियामी के लीग सत्र में 20 जीत, चार हार और आठ ड्रॉ से 68 अंक रहे। अपने अंतिम दो मैच जीतकर इंटर मियामी की टीम कुल अंकों को 74 तक पहुंचा सकती है जो नया रिकॉर्ड होगा। दूसरे स्थान पर मौजूद कोलंबस की टीम के 31 मैच में 57 अंक हैं।

कृष्णव चोपड़ा संयुक्त 12वें स्थान पर

एजेंसी | गोटेम्बा

भारत के पूर्व क्रिकेटर निखिल चोपड़ा के बेटे कृष्णव चोपड़ा ने यहां एशिया पैसिफिक अमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप (एएसी) के शुरुआती दौर में दो अंडर 68 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 12वें स्थान पर बने हुए हैं। वह शीर्ष पर चल रहे इंडोनेशिया के रैंडी बिनटांग (65) से तीन शॉट पीछे हैं। अन्य भारतीयों में वेदांत सिरोही (69) संयुक्त 16वें स्थान पर बने हुए हैं।

खिलाड़ियों को प्रतिकूल सामग्री से बचाएगा एआई टूल 'गो बबल'

एजेंसी | शारजाह

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी-20 विश्व कप में 'क्रिकेट समुदाय को विषाक्त सामग्री से बचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी ऑनलाइन वातावरण बनाने के लिए एक 'सोशल मीडिया मॉडरेशन टूल (कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का एक हिस्सा) शुरू किया। गो

बबल के सहयोग से यह कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित टूल आधिकारिक और खिलाड़ियों के सोशल मीडिया चैनलों पर अभद्र भाषा और उत्पीड़न जैसी विषाक्त सामग्री की निगरानी करता है।

मुंबई के मैदानों से

विनायक भोईर का चमकीला खेल

दोपहर संवाददाता | मुंबई

हरफनमौला खिलाड़ी विनायक भोईर द्वारा किए गए चमकीले खेल की बदौलत इस्लाम जिमखाना की टीम ने एमसीए डा. एच डी कांगा लीग क्रिकेट लीग बी डिवीजन के मुकाबले में खार जिमखाना की टीम को पहली पारी के आधार पर पराजित किया। इस्लाम जिमखाना ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विनायक भोईर के शानदार 73 रनों की मदद से नौ विकेट पर 192 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में खार जिमखाना की टीम मात्र 127 रनों पर सिमट गई, इस बार भी भोईर ने तीन खिलाड़ियों को अपनी गेंद का शिकार बनाया। अन्य मैचों में सिंध स्पोर्ट्स क्लब ने यंग कॉमरेड क्रिकेट क्लब को और शिवाजी पार्क यंगस्टर्स ने गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराया और अंक बटोरे।

अर्जुन अग्निहोत्री को पहली वरीयता

दोपहर संवाददाता | मुंबई

क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के स्क्वैश कोर्ट पर खेले जा रहे मुंबई मास्टर्स स्क्वैश चैंपियनशिप के पुरुष ओपन 35 वर्ग में सर्विसेज के अर्जुन अग्निहोत्री को पहली और दिल्ली के प्रतीक चालीया को दूसरी वरीयता दी गई है। इसके अलावा पुरुष ओपन 40 वर्ग में पॉल इपे के पहली और संजय पवार को दूसरी, पुरुष ओपन 45 वर्ग में स्टीफन गलिफी को पहली और रणवीर सिंह को दूसरी वरीयता तथा पुरुष ओपन 50 वर्ग में संजय राजपाल को पहली और दिलीप त्रिपाठी को दूसरी वरीयता प्रदान की गई है।

आलिया भट्ट की 'जिगरा' का नया गाना 'तेनु संग रखना' जारी

अभिनेत्री आलिया भट्ट पिछले लंबे समय से अपनी आने वाली फिल्म 'जिगरा' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह इस फिल्म की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म आलिया के साथ अभिनेता वेदांग रैना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और यह आलिया और वेदांग के बीच पहला सहयोग है। 'चल कुड़िये' के बाद अब निर्माताओं ने 'जिगरा' का नया गाना 'तेनु संग रखना' जारी कर दिया है, जिसके बोल वरुण ग्रोवर ने लिखे हैं।

11 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

'तेनु संग रखना' गाने को अरिजीत सिंह ने अनुमिता नदेसन और अचिंत ठक्कर के साथ मिलकर गाया है। 'जिगरा' 11 अक्टूबर को हिंदी और तेलुगु भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में आलिया न सिर्फ अभिनय कर रही हैं, बल्कि वह फिल्म की सह-निर्माता भी हैं। वह करण जौहर के साथ फिल्म का निर्माण कर रही हैं। 'जिगरा' की कहानी जेल तोड़ने की एक घटना पर आधारित है, जिसके केंद्र में भाई-बहन का रिश्ता है।

'फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स' को मिली रिलीज तारीख

दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर अपने भाई-अभिनेता रणबीर कपूर के नक्शे कदमों पर चल रही हैं। दरअसल, रिद्धिमा अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। वह जल्द ही वेब सीरीज 'फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स' में नजर आएंगी। यह 2020 में आई वेब सीरीज 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' का तीसरा भाग है। अब 'फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

वेब सीरीज में नजर आएंगी ये अभिनेत्री

'फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स' का प्रीमियर 18 अक्टूबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। इसके पहले दो भागों में नीलम कोठारी, भावना पांडे, महीप कपूर और सीमा खान जैसे अभिनेत्रियां नजर आई थीं और अब इसके तीसरे भाग में इनके साथ रिद्धिमा भी अभिनय करती दिखाई देंगी। 'फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स' की टीजर भी रिलीज हो गया है, जिसमें तमाम कलाकारों की झलक दिख रही है। फिल्म की पोस्टर पहले ही सामने आ चुका है।

शाहरुख खान 'स्त्री 2' के निर्माता-निर्देशक के साथ मचाएंगे धमाल

शाहरुख खान ने पिछले साल 'पठान' से बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया था। फिर वह 'जवान' लेकर आए और उनकी यह फिल्म भी ब्लॉकबस्टर रही। इसके बाद आई उनकी फिल्म 'डंकी' भी हिट रही। इस साल शाहरुख की कोई फिल्म नहीं आई। अब वह फिल्म 'किंग' लेकर आ रहे हैं। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। इसी बीच नई खबर है कि शाहरुख अब 'स्त्री 2' के निर्देशक अमर कौशिक के साथ एक फिल्म लेकर आ रहे हैं।

'स्त्री 2' के निर्माता-निर्देशक के संपर्क में हैं शाहरुख

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख फिलहाल कई फिल्मों की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं और उन्होंने एक फीचर फिल्म फाइनल कर दी है। वह अमर कौशिक के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में काम करने वाले हैं, जिसमें एक्शन नहीं होगा। इस सिलसिले में शाहरुख अमर के साथ-साथ फिल्म के निर्माता दिनेश विजान के साथ भी लगातार संपर्क में हैं। शाहरुख और निर्देशक के बीच कई मुलाकातें हो चुकी हैं। यह एक एडवेंचर फिल्म होने वाली है। इसके अलावा शाहरुख फिलहाल 'फैमिली मैन' वाले निर्देशक राज एंड डीके के भी संपर्क में हैं। ये एक कॉमिक एक्शन थ्रिलर फिल्म हो सकती है। शाहरुख को फिल्म का विषय पसंद आया है, वो इसमें भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अभी इस फिल्म के विषय पर फिर से थोड़ा काम करने की जरूरत है। शाहरुख एक साउथ निर्माता के भी संपर्क में हैं। ये भी एक एक्शन फिल्म ही है, लेकिन अभी कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है।

7 अक्टूबर को आएगा 'सिंघम अगेन' का ट्रेलर

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'सिंघम अगेन' इस साल की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। 'सिंघम' और 'सिंघम रिटर्न्स' के बाद यह फिल्म रोहित की कॉप यूनिवर्स की तीसरी किस्त है। इस फिल्म में अजय देवगन से लेकर अक्षय कुमार और रणवीर सिंह समेत कई बड़े सितारे नजर आएंगे। ताजा खबर यह है कि 'सिंघम अगेन' का ट्रेलर 7 अक्टूबर, 2024 को जारी किया जाएगा।

कार्यक्रम में सितारों के प्रशंसक भी होंगे मौजूद

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'सिंघम अगेन' का ट्रेलर मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में लॉन्च किया जाएगा। सितारों की मौजूदगी में ट्रेलर का अनावरण करने के लिए एक भव्य कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। अजय, अक्षय, रणवीर सिंह, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ के प्रशंसकों को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। कहा जा रहा है कि कार्यक्रम ने 2,000 प्रशंसक और कई पत्रकार मौजूद होंगे।

1 नवंबर, 2024 को रिलीज होगी फिल्म

'सिंघम अगेन' इस साल दिवाली के खास मौके पर यानी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'भूल भुलैया 3' से होगा। सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद 'सिंघम अगेन' का प्रीमियर OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। कहा जा रहा है कि रोहित और OTT की बीच यह सौदा 130 करोड़ रुपये में हुआ है।

'इंडियन 3' को OTT पर किया जाएगा रिलीज

अभिनेता कमल हासन को पिछली बार फिल्म 'इंडियन 2' में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई, लेकिनयह दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। 'इंडियन 2' साल 1996 में आई फिल्म 'इंडियन' का सीक्वल है। यह फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर न चल सकी हो, लेकिन प्रशंसक इसके तीसरे भाग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि 'इंडियन 3' को सिनेमाघरों में नहीं, सीधा OTT पर रिलीज किया जाएगा।

300 करोड़ रुपये की लागत में बन रही फिल्म

'इंडियन 3' के निर्देशन की कमान एस शंकर ने संभाली है। पहले दोनों भागों का निर्देशन भी इन्होंने ही किया है। फिल्म का लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत में बनाया जा रहा है। कमल के अलावा इस फिल्म में सिद्धार्थ, एसजे सूर्या, काजल अग्रवाल, प्रिया भवानी शंकर और रकुल प्रीत सिंह जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

टाइटलर के खिलाफ अदालत में बयान दर्ज

नई दिल्ली। 1984 दंगे से जुड़े पुलबंगश गुरुद्वारा हिंसा के आरोपी जगदीश टाइटलर के खिलाफ दर्ज मामले में गुरुवार को शिकायतकर्ता लखविंदर कौर ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया। स्पेशल जज राकेश स्याल ने लखविंदर कौर का क्रॉस-एग्जामिनेशन 15 अक्तूबर को करने का आदेश दिया है। लखविंदर कौर ने कहा कि ग्रंथी सुरेंद्र सिंह ने उन्हें बताया कि उनके पति बादल सिंह को गुरुद्वारा पुलबंगश के पास भीड़ ने हत्या कर दी। जगदीश टाइटलर उस भीड़ को उकसा रहे थे। अदालत ने मामले को 15 अक्तूबर के लिए सूचीबद्ध किया है। टाइटलर ने स्पेशल कोर्ट के आरोप तय करने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने इस मामले को नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया है।

भारतनेट फेज-2 के तहत गुजरात के 8036 ग्राम पंचायतों को मिला हाईस्पीड इंटरनेट

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने भारतनेट फेज-2 के अंतर्गत राज्य के 8036 ग्राम पंचायतों में 100 एमबीपीएस तक का हाईस्पीड नेटवर्क स्थापित किया है। हाल में राज्य में 300 स्थानों पर गुजरात स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क यानी जीस्वैन (जिला व तहसील मुख्यालय) के साथ भारतनेट नेट का सिमलेस वर्टिकली अलाइनमेंट किया गया है। भारतनेट से पहले राज्य में प्रति ग्राम पंचायत नेटवर्क स्पीड 100 केबीपीएस थी, जो अब 1000 गुना बढ़ कर 100 एमबीपीएस तक पहुंच गई है। राज्य सूचना विभाग के मुताबिक केंद्र सरकार ने 25 अक्टूबर 2011 को नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क पहल शुरू की थी, जिसे वर्ष 2015 में भारतनेट प्रोजेक्ट नाम दिया गया था।भारतनेट प्रोजेक्ट के द्वितीय चरण के सफल क्रियान्वयन के लिए गुजरात सरकार ने गुजरात फाइबर ग्रिड नेटवर्क (जीएफजीएनएल) नामक स्पेशल पर्पज व्हीकल (एपपीवी) की स्थापना की थी। इसके अंतर्गत 22 जिलों में 35000 से अधिक किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क स्थापित किया गया है।

आरजी कर कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के स्टैच्यू पर विवाद

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर कॉलेज में रेप-मर्डर विक्टिम ट्रेनी डॉक्टर का स्टैच्यू लगाया गया है। फाइबर ग्लास के बने इस स्टैच्यू को 'अभयाः क्राई ऑफ द आवर' नाम दिया गया है। इसमें एक महिला को दर्द में चीखते हुए दिखाया गया है। इस स्टैच्यू को लेकर विवाद शुरू हो गया है। तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने इसे घटिया और ट्रेनी डॉक्टर की याद के लिए अपमानजनक बताया है। उन्होंने कहा कि ये अब तक की सबसे खराब चीज है। वहीं, करीब दो महीने से विरोध प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स ने कहा कि ये स्टैच्यू विक्टिम का नहीं है, बल्कि ये उस दर्द और टॉर्चर का प्रतीक है, जिससे वह गुजरी थी। यह स्टैच्यू हमारे प्रदर्शनों को भी दर्शाता है। विक्टिम के नाम पर इस मूर्ति की स्थापना सुप्रीम कोर्ट के फैसले की भावना के खिलाफ है। कोई जिम्मेदार व्यक्ति कला के नाम पर भी ऐसा नहीं कर सकता। विरोध और न्याय की मांगे ठीक हैं, लेकिन उस लड़की के दर्द भरे चेहरे वाली मूर्ति सही नहीं है। देश में 'निग्रहिता' (रेप विक्टिम) की तस्वीरों,

ईशा फाउंडेशन को 'सुप्रीम' राहत

- ईशा फाउंडेशन के खिलाफ जांच पर सुप्रीम कोर्ट की रोक
- कोर्ट ने पुलिस को आगे कोई भी कार्रवाई करने से भी रोका

एजेंसी । नई दिल्ली

आध्यात्मिक नेता सद्गुरु जग्गी वासुदेव की अगुवाई वाला मशहूर ईशा फाउंडेशन आजकल काफी विवादों में बना हुआ है। हालांकि, फाउंडेशन को आज सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी राहत मिली। शीर्ष अदालत ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 18 अक्तूबर को होगी।

यह है मामला ?: फाउंडेशन के खिलाफ रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। आरोप था कि आश्रम में उनकी बेटियों लता और गीता को बंधक बनाकर रखा गया है। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 सितंबर को कहा था कि तमिलनाडु पुलिस ईशा फाउंडेशन से जुड़े सभी आपराधिक मामलों की जांच करे और रिपोर्ट पेश करे। अगले दिन एक अक्तूबर को करीब 150 पुलिसकर्मी आश्रम में जांच करने पहुंचे थे।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने?

सद्गुरु ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर आज फैसला सुनाया। अदालत ने मामले को मद्रास हाईकोर्ट से अपने पास ट्रांसफर कर लिया। साथ ही तमिलनाडु पुलिस को हाईकोर्ट द्वारा मांगी गई स्टेटस रिपोर्ट शीर्ष अदालत में जमा करने को कहा। इसके अलावा, शीर्ष अदालत ने पुलिस को हाईकोर्ट के निर्देशों के पालन में आगे कोई कार्रवाई करने से भी रोक दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'आप सेना या पुलिस को ऐसी जगह दाखिल होने की इजाजत नहीं दे सकते।ईशा फाउंडेशन ने कहा कि दोनों लड़कियां 2009 में आश्रम में आई थीं। उस वक्त उनकी उम्र 24 और 27 साल थी। वे अपनी मर्जी से रह रही हैं। उन्होंने बताया कि कल रात से आश्रम में मौजूद पुलिस अब चली गई है। फैसले से पहले सीजेआई ने दो महिला संन्यासियों से अपने चेंबर में चर्चा भी की। महिला ने बताया कि दोनों ही बहनें अपनी मर्जी से ईशा योग फाउंडेशन में हैं। उनके पिता पिछले आठ सालों से परेशान कर रहे हैं।

हाईकोर्ट ने की थी सख्त टिप्पणी

मद्रास हाईकोर्ट ने एक अक्तूबर को ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव से पूछा था कि वह महिलाओं को मोह माया से दूर बैरागियों की तरह रहने के लिए प्रेरित क्यों करते हैं, जबकि खुद उनकी बेटी शादीशुदा है। तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड प्रो. एस कामराज की याचिका पर हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की। जस्टिस एसएम सुब्रह्मण्यम और जस्टिस वी शिवाग्नानम की पीठ ने कहा था, एक व्यक्ति, जिसने अपनी बेटी को शादी करके जीवन में सही तरीके से व्यवस्थित होने दिया, दूसरों की बेटियों को सिर मुंडवाकर संन्यासिनों का जीवन जीने के लिए प्रेरित क्यों करता है। कामराज ने सद्गुरु और ईशा फाउंडेशन पर आरोप लगाया है कि उनकी दो बेटियों को कोयंबटूर स्थित फाउंडेशन में ब्रेनवाश कर जबरन संन्यासिनों की तरह रहने पर मजबूर किया गया है। उन्हें बेटियों से मिलने नहीं दिया गया। हालांकि, कामराज की 42 व 39 साल की दोनों बेटियों ने सोमवार को कोर्ट में पेश होकर कहा कि वह अपनी मर्जी से फाउंडेशन में रह रही हैं। हालांकि इस बयान के बावजूद कोर्ट ने पुलिस को मामले की पूरी जांच के आदेश दिए। साथ ही ईशा फाउंडेशन के खिलाफ दायर सभी मामलों की सूची बनाने को भी कहा है। कामराज व पत्नी का आरोप है कि बेटियों के परित्याग के बाद उनकी जिंदगी नरक बन गई है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

मामले को मद्रास हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए। याचिकाकर्ता वर्धुअली या वकील के जरिए पेश हो सकते हैं। पुलिस जांच की स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में सबमिट की जाए। पुलिस हाईकोर्ट के निर्देश के आधार पर आगे कोई कार्रवाई नहीं करेगी।

150 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने जांच अभियान चलाया

मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक के कार्तिकेयन व जिला समाज कल्याण अधिकारी आर अंबिका ने 150 पुलिसवालों की टीम के साथ फाउंडेशन में महिलाओं का ब्रेनवाश किए जाने के आरोपों की जांच की थी। उन्होंने वहां लोगों से पूछताछ की थी।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ जबरन वसूली की शिकायत

एजेंसी । बेंगलुरु

जद (एस) के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष विजय टाटा ने पार्टी नेता व केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और विधान परिषद सदस्य रमेश गौड़ा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने जबरन 50 करोड़ रुपए मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए सुरक्षा की मांग की है। विजय टाटा ने अपनी शिकायत बेंगलुरु के अमृतहल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। पुलिस को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि रमेश गौड़ा ने मेरी कुमारस्वामी से फोन पर बात कराई। इस दौरान कुमारस्वामी ने चन्नपटना उपचुनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, इस बार आपको चुनाव खर्च के लिए 50 करोड़ रुपए देने होंगे, जो चन्नपटना उपचुनाव में हमारी जीत के लिए जरूरी है। टाटा ने कहा कि मैंने कुमारस्वामी की बातों से परेशान होकर तुरंत जवाब दिया, सर, मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं।

काम न करने देने की धमकी देने का आरोप

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मेरे जवाब से जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी नाराज हो गए और धमकी दी कि अगर आप 50 करोड़ रुपए तैयार नहीं करेंगे, तो मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगा। आप बेंगलुरु में रियल एस्टेट का कारोबार करते हैं, तो आपके लिए यहां रहना मुश्किल हो जाएगा।विजय टाटा ने पत्र में कहा कि जब यह सब हुआ तो सामने बैठे रमेश गौड़ा ने जोर देकर कहा कि मैं 50 करोड़ रुपए तैयार कर लूं। उन्होंने कहा कि वे एक मंदिर और एक स्कूल बनवा रहे हैं और इसके लिए 5 करोड़ रुपए मांगे। उन्होंने चेतावनी दी, अगर आप यह पैसा नहीं देंगे, तो आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

पार्टी झूठे आरोपों पर दर्ज कराएगी शिकायत

जद (एस) के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष चंदन एचएस ने एचडी कुमारस्वामी और रमेश गौड़ा के खिलाफ आरोपों को झूठा बताते हुए खारिज कर दिया। एक पत्र में, चंदन ने कहा कि विजय टाटा जद (एस) सोशल मीडिया प्रकोष्ठ में किसी पद पर नहीं हैं और प्रचार के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी टाटा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएगी।

शिकायतकर्ता ने ईडी को सबूत और अहम दस्तावेज सौंपे

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के मैसुरू शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले के शिकायतकर्ताओं में से एक सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने गुरुवार को मामले से जुड़े अहम दस्तावेज और सबूत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे। साथ ही मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उनके रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाने के आरोपों की गहन जांच की अपील की। ईडी ने मैसुरू के आरटीआई कार्यकर्ता को धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत जांच और कार्रवाई के संबंध में साक्ष्य देने और दस्तावेज पेश करने के लिए बेंगलुरु के क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया था। जांच एजेंसी को दस्तावेज सौंपने के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में हजारों करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। कृष्णा की शिकायत पर लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती बीएम, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू और अन्य के खिलाफ धनशोधन के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं, सोमवार को ईडी ने सिद्धरमैया के खिलाफ एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर मामला दर्ज किया था। मंगलवार को पार्वती द्वारा भूखंड लौटाने की पेशकश के बाद एमयूडीए ने उनको आवंटित 14 भूखंडों को वापस लेने का फैसला किया। एमयूडीए ने इन भूखंडों के बैनामा को रद्द करने का आदेश दिया है।

मुख्यमंत्री पर सबूत नष्ट करने के आरोप

मामले के एक अन्य शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार एस.पी. ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और अन्य लोग घोटाले में सबूत नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। ईडी को लिखे पत्र में कुमार ने कहा कि न्यायालय की अनुमति के बिना संपत्ति की मौजूदा स्थिति से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। कहा कि ऐसा न करने पर सारे सबूत नष्ट हो सकते हैं।

मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा : सिद्धरमैया

इस मामले में जांच का सामना कर रहे सिद्धरमैया ने गुरुवार को कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और विश्वास है कि सच्चाई की जीत होगी। उन्होंने विपक्ष की ओर से मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की मांग को एक बार फिर खारिज कर दिया।

धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिका ने उठाई उंगली

नई दिल्ली । नई दिल्ली

अमेरिका ने एक बार फिर भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर सवाल उठाया है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर चिंता जताते हुए परोक्ष तौर पर भारत के खिलाफ उठाये जाने वाले कदमों के बारे में भी बताया गया है।

भारत पर दबाव बनाने की रणनीति

यह रिपोर्ट विदेश मंत्री एस जयशंकर की वॉशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के बीच हुई द्विपक्षीय आधिकारिक बैठक के कुछ ही घंटे के बाद जारी की गई है। जानकार इस मध्यावधि रिपोर्ट, इसकी भाषा और समय (जब भारतीय विदेश मंत्री अमेरिका में है) को लेकर हाल के महीनों में भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देख रहे हैं।

अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी

वहीं भारत ने सख्ती से जबाव देते हुए कहा कि पक्षपाती और राजनीतिक एजेंडा चलाने की बजाय इस संगठन को अमेरिका में मानवाधिकार के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। एक तरफ अमेरिका भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहा है लेकिन साथ ही रूस पर तेल खरीदने, खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नु की हत्या की कथित साजिश व धार्मिक आजादी जैसे मुद्दे पर दबाव भी बनाने की कोशिश करता रहा है।

यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट

यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में नफरती भाषणों, गलत सूचनाओं के प्रसार और सरकारी अधिकारियों की तरफ से धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ उकसाने के मामलों का भी जिक्र है। इसने वर्ष 2024 की यूएससीआईआरएफ की सालाना रिपोर्ट में अमेरिकी विदेश मंत्रालय को भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की खराब स्थिति के संदर्भ में दी गई सिफारिशों का भी जिक्र किया गया है।

भारत ने दिया करारा जवाब

धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ काम करने वाले भारतीय अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने, अमेरिका सरकार की भारत के साथ होने वाले रक्षा सौदे की नीति में धार्मिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने वाले शर्तों को शामिल करने की बात कही गई है।

'गोमांस खाते थे सावरकर'

वीर सावरकर पर कर्नाटक के मंत्री का विवादित बयान, विवाद बढ़ा तो कहा- सच बोलने के लिए क्षमा करें

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव के बयान पर सियासी बवाल शुरू हो गया है। दरअसल, एक पुस्तक के कन्नड़ संस्करण के विमोचन के अवसर पर मंत्री ने दावा किया कि वीर सावरकर मांसाहारी थे। उन्होंने गोहत्या का विरोध नहीं किया। सावरकर चितपावन ब्राह्मण होने के बावजूद 'गोमांस' खाते थे। अब उनके इसी बयान पर हंगामा मच गया। भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं सावरकर के पोते ने मंत्री के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही है।

सामने आया कांग्रेस का असली चेहरा: रंजीत सावरकर

मंत्री के बयान पर वीर सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराने का एलान किया। रंजीत ने कहा कि सावरकर को बदनाम करना कांग्रेस की रणनीति है। खासकर चुनाव के वक्त में। चुनाव जीतने की खातिर कांग्रेस हिंदुओं को जातियों में बांटना चाहती है। यही अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति थी। उन्होंने आगे कहा कि पहले राहुल गांधी सावरकर के खिलाफ बयान देते थे। अब उनके नेता बयान दे रहे हैं। कांग्रेस ने अब अपना असली चेहरा दिखा दिया है।

मंत्री का बयान बिल्कुल झूठ

रंजीत ने कहा कि मंत्री का बयान बिल्कुल झूठ है। मराठी में लिखे उनके मूल लेख का मतलब था कि गाय बहुत उपयोगी हैं। इसीलिए उन्हें देवता माना जाता है। वह गौ रक्षा सम्मेलन के अध्यक्ष भी थे। मैं उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने जा रहा हूं। उन्होंने आगे दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने हमेशा वीर सावरकर की नीतियों का पालन किया और कभी भी नेहरू या गांधी की एक भी नीति का पालन नहीं किया।

हलफनामा

सुप्रीम कोर्ट में कहा- यह कानूनी से ज्यादा सामाजिक

मैरिटल रेप को अपराध मानने के खिलाफ केंद्र सरकार

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें भारत में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की मांग करने वाली याचिकाओं का विरोध किया गया है। केंद्र ने कहा कि यौन संबंध पति-पत्नी के बीच संबंधों के कई पहलुओं में से एक है, जिस पर उनके विवाह की नींव टिकी होती है।

ये मुद्दा कानूनी से अधिक सामाजिक

केंद्र सरकार ने जोर देकर कहा कि यह मुद्दा कानूनी से अधिक सामाजिक है। इसका समाज पर सीधा असर पड़ता है। इसके साथ ही केंद्र ने यह तर्क भी दिया कि अगर 'वैवाहिक बलात्कार' को भी अपराध घोषित किया जाता है, तो ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है।

संबंध को साबित करना चुनौतीपूर्ण

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि तेजी से बढ़ते और लगातार बदलते सामाजिक एवं पारिवारिक ढांचे में संशोधित प्रावधानों के दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि किसी व्यक्ति के लिए यह साबित करना मुश्किल और चुनौतीपूर्ण होगा कि संबंध के लिए सहमति थी या नहीं।

बलात्कार विरोधी कानून

शादी में जीवनसाथी से उचित यौन संबंध की अपेक्षा तो की जाती है, लेकिन ऐसी अपेक्षाएं पति को अपनी पत्नी को उसकी इच्छा के विरुद्ध यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का अधिकार नहीं देती हैं। केंद्र ने कहा कि बलात्कार विरोधी कानूनों के तहत किसी व्यक्ति को ऐसे कृत्य के लिए दंडित करना असंगत हो सकता है।

क्रूरता पर दंडात्मक कानून

संसद ने पहले ही विवाहित महिला की सहमति को सुरक्षित रखने के लिए उपाय प्रदान किए हैं। केंद्र ने कहा कि इन उपायों में विवाहित महिलाओं के साथ क्रूरता करने पर दंडात्मक कानून शामिल हैं। घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 कानून है, जो विवाहित महिलाओं की मदद कर सकता है।

मोहम्मद अजहरुद्दीन की बढ़ी टेंशन, ED ने किया तलब

नई दिल्ली । नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन की मुश्किलें बढ़ गई है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने उन्हें तलब किया है। सूत्रों ने कहा कि 61 वर्षीय पूर्व संसद सदस्य (सांसद) को 3 अक्टूबर को यहां अपने कार्यालय में संघीय एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। हालांकि, अजहरुद्दीन ने ईडी से कुछ समय की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, ईडी नया समय उन्हें जारी करेगी।

20 करोड़ के कथित दुरुपयोग का है मामला

यह जांच हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है जिसमें ईडी ने पिछले साल नवंबर में तलाशी ली थी। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला HCA के फंड के 20 करोड़ रुपए के कथित आपराधिक दुरुपयोग के लिए तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दायर तीन एफआईआर और आरोप पत्र से उपजा है।